▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 231 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 22-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 केकेआर की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

6 नायक जसबीर सिंह : कुपवाड़ा की अंधेरी रात में बेमिसाल बहादुरी से किया आतंकवादियों का सामना

7 मैं पश्चिम एशिया या अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्ष में रहा हूं : शशि थरूर

फर्स्ट टेक

नौसेना तीन अप्रैल को युद्धपोत 'तारागिरी' को सेवा में करेगी शामिल

नई दिल्ली/भाषा। सुपरसोनिक मिसाइल समेत अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत 'तारागिरी' को तीन अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और यह राष्ट्र के पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैन्य शक्ति बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयास का एक सशक्त प्रमाण होगा। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में 'तारागिरी' केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 6,670 टन का 'मेक इन इंडिया' भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है।

रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे पर किये हमले

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन के बीच शनिवार को संघर्ष में कम से कम चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोनों देशों ने एक दूसरे के ऊपर ये हमले ऐसे समय किये जब अमेरिका और यूक्रेन के बीच कीव पर रूसी आक्रमण को खत्म करने के तौर-तरीकों पर वार्ता होने की संभावना है। यूक्रेन के ज़ापोरिजिया शहर में एक रूसी ड्रोन ने एक इमारत को निशाना बनाया जिससे एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई तथा दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने यह जानकारी दी। रूस के बेलगोरोड सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी गोलाबारी में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई। रूस के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव ने यह जानकारी दी।

इजराइल ने हिज्बुल्ला के सैन्य एवं असैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

बेरूत/एपी। दक्षिणी लेबनान में एक स्वास्थ्य केंद्र पर इजराइल के हमले में 12 चिकित्साकर्मियों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया तथा चार लोग लापता हैं। बुर्ज कालाउइया गांव में हिज्बुल्ला की स्वास्थ्य शाखा 'इस्लामिक हेल्थ सोसाइटी' द्वारा संचालित एक केंद्र पर 13 मार्च को यह हमला किया गया। पिछले दो सप्ताह में इस सोसाइटी के 24 सदस्य मारे जा चुके हैं। इजराइल की सेना न केवल हिज्बुल्ला की सैन्य परिसंपत्तियों, बल्कि उसके असैन्य संस्थानों को भी निशाना बना रही है। इजराइल ने स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा हिज्बुल्ला की वित्तीय शाखा 'अल-कर्द अल-हसन' की एक दर्जन से अधिक शाखाओं को भी नष्ट कर दिया है।

युद्ध का समाधान 'बातचीत और कूटनीति' से निकाला जाना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हल्द्वानी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है तथा इसका समाधान 'बातचीत और कूटनीति' से ही निकाला जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि युद्ध से कोई समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा, '' पश्चिम एशिया में निरंतर हमले न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। यदि समाधान तक पहुंचना है, उसका मार्ग बातचीत एवं कूटनीति से ही गुजरता है।'' उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में दुनिया का कोई भी देश प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता और हो सकता है कि भविष्य में भारत में भी ऊर्जा एवं खाद्य संकट उत्पन्न हो जाए।

सिंह ने कहा कि लेकिन अब तक प्रधानमंत्री ने अपनी योग्यता, क्षमता और सूझबूझ से भारत को उस संकट में फंसने नहीं दिया है लेकिन भविष्य में क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी पश्चिम एशियाई गैस केंद्रों पर नए हमलों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के मद्देनजर आई है।

बुधवार को ईरान के रणनीतिक दक्षिण पार्स गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमले के बाद ईरान ने कतर के एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) केंद्र रास लाफान समेत कई खाड़ी देशों में महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचनाओं पर तीव्र जवाबी कार्रवाई की। भारत की एलएनजी आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत कतर से आता है।

घोराखाल में एक अलग कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे है । उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में देश की रक्षा के लिए एक मजबूत सेना की जरूरत है तथा उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए सक्षम नागरिक तैयार हों। उन्होंने कहा, ''आज के समय में युद्ध सीमाओं से परे है, राष्ट्रीय सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाद्य सुरक्षा भी शामिल है।'' उन्होंने कहा कि जहां प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार रक्षा बलों को विशेष हथियारों और प्रौद्योगिकियों से लैस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, वहीं नागरिकों, विशेषकर युवाओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने की आवश्यकता है ताकि वे देश को हर परिस्थिति से निपटने में मदद कर सकें।

सिंह उत्तराखंड के घोराखाल स्थित सैनिक विद्यालय के हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि अधिक से अधिक युवा राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक मूल्यों को आत्मसात करें।

देशभर में हर्षोल्लास से मनायी गई ईद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में शनिवार को ईद उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया तथा मस्जिदों एवं ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोगों ने शांति, प्रगति और भाईचारे के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं।

देश के कई हिस्सों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिनमें ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों की निंदा की गई और पश्चिम एशिया में शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की मांग की गई।

पुरानी दिल्ली की व्यस्त गलियों से लेकर जम्मू-कश्मीर के ईदगाहों और कोलकाता की चहल-पहल वाली नखोदा मस्जिद तक, लाखों श्रद्धालु इस त्योहार पर अच्छे परिधानों में सज-धज कर एक-दूसरे को गले लगाते एवं 'सेवैयां' का आदान-प्रदान करते नजर आए।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं। यह दिन चारों ओर भाईचारे एवं दयालुता को और बढ़ाए। सभी लोग खुश और स्वस्थ रहें। ईद मुबारक।'' जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों और अन्य प्रमुख नेताओं ने भी लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं और ईद के उत्सव में भाग लिया।

दिल्ली में, लोग मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए उमड़े। शहर के कई हिस्सों में कोहरे की चादर छाई हुई थी।

नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक दूसरे को मुबारकबाद दी।

मोदी सरकार के पास न तो कोई दिशा है, न ही कोई रणनीति : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सरकार भले ही ''खोखले बयान'' दे रही हो और यह दावा कर रही हो कि सब कुछ ''सामान्य'' है, लेकिन हकीकत यह है कि रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती लागत हर घर को प्रभावित करेगी।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को मोदी सरकार पर देश के सामने मौजूदा आर्थिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा और रणनीति नहीं होने का आरोप लगाया।

गांधी ने इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की कि अगले महीने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि से अनिवार्य रूप से महंगाई बढ़ेगी, जिसका असर हर भारतीय पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार भले ही ''खोखले बयान'' दे रही हो और यह दावा कर रही हो कि सब कुछ

''सामान्य'' है, लेकिन हकीकत यह है कि रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती लागत हर घर को प्रभावित करेगी।

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी - ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।'' उन्होंने कहा, ''सरकार चाहे इसे सामान्य स्थिति बताए, लेकिन हकीकत यह है: उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी। रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, एफआईआई का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा।''

गांधी ने कहा कि यानी, हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने कहा, ''और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।'' उन्होंने दावा किया, ''मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है - सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है।''

मणिपुर में 50 आईईडी, हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई पहाड़ी और घाटी जिलों से कम से कम 29 आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद तथा 50 आईईडी जब्त किए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह बयान जारी करके बताया कि ये सभी बरामदगी शुक्रवार को की गईं। बयान में कहा गया है कि एक अभियान के दौरान काकचिंग जिले के वाबागई तुरेल मामेई क्षेत्र से एक एके-56 राइफल सहित छह आग्नेयास्त्र, तीन ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किए गए। इसमें कहा गया है कि तेंगनुपाल जिले के लोइसी और सैवोम गांवों के आसपास से 29 आईईडी, स्थानीय रूप से निर्मित पांच हथगोले, पांच इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और कई अन्य विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इम्फाल पश्चिम जिले के लामदेंग और कामेंग इलाकों से 11 पिस्तौल, 85 कारतूस, चार जैकेट और तीन आग्नेयास्त्र जब्त किए। तेंगनुपाल के माची पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एसएल ज़ौगम इलाके से नौ आईईडी, एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए गए।

युद्ध के खतरे से घिरी दुनिया में केवल संवाद ही समाधान का रास्ता है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हर भाषा अपनी अलग विरासत समेटे हुए है, लेकिन ये सभी मिलकर सांस्कृतिक समरसता का निर्माण करती हैं जो भारत की पहचान है।

नागपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि दुनिया युद्ध के खतरे से जूझ रही है और केवल संवाद से ही समाधान निकल सकता है। राधाकृष्णन ने यहां रेशिमबाग स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में भारतीय युवा संसद के 29वें राष्ट्रीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा में बोलना क्षेत्रीय होने का नहीं, बल्कि मौलिक होने का प्रतीक है।

इस चार दिवसीय युवा संसद की विषय वस्तु 'भारतीय भाषाएं और विकसित भारत-2047' है। उन्होंने कहा, ''जब पूरी दुनिया युद्ध के खतरे से घिरी है, तब केवल संवाद ही समाधान का रास्ता दिखा सकता है। युवा संसद हमें सम्मानजनक तरीके से चर्चा करने, विविध दृष्टिकोणों को सुनने और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने का महत्व सिखाती है।'' उन्होंने कहा, ''(युवा संसद की) विषय वस्तु भाषा पर आधारित होना समय की आवश्यकता है। भारत में अनेक भाषाएं हैं। हर व्यक्ति अपनी मां से प्रेम करता है, हर व्यक्ति अपनी मातृभाषा और अपने धर्म से प्रेम करता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हमें दूसरे व्यक्ति की मां का सम्मान नहीं करना चाहिए। जब हम अपनी मातृभाषाओं में बोलते हैं, तब हम क्षेत्रीय नहीं बल्कि मौलिक होते हैं।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर भाषा अपनी अलग विरासत समेटे हुए है, लेकिन ये सभी मिलकर सांस्कृतिक समरसता का निर्माण करती हैं जो भारत की पहचान है। उन्होंने कहा, ''भारत माता से बड़ा कोई भगवान नहीं है।''

राधाकृष्णन ने कहा कि उन्होंने हाल में संविधान का अद्यतन अनुवादित संस्करण तमिल और गुजराती में जारी किया और इसे इतनी भाषाओं में उपलब्ध कराने की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''संविधान पहली बार डोगरी, संथाली और कई अन्य भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है।

22-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 23-03-2026 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE 74,532.96 (+325.72) | NSE 23,114.50 (+112.35)

सोना 15,030 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 232,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बक-झक

इक दूजे को देते धत्ता,
करते नित प्रति चिक चिक हैं।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
करते केवल झिक झिक हैं।
गोल नहीं होता है उनसे,
मार रहे कोरी किक हैं।
कहते हैं वे स्वस्थ स्वयं को,
पर सचमुच में वे सिक हैं।।

पाकिस्तान अफगानिस्तान के आतंकवादियों को शांति भंग करने नहीं देगा : मुनीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने शनिवार को कहा कि अफगानिस्तान से संचालित आतंकियों को देश की शांति भंग करने और सुरक्षा को खतरे में डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सेना के एक बयान के अनुसार, मुनीर ने ईद-उल-फितर के मौके पर अफगानिस्तान सीमा पर स्थित कुर्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने जवानों और अधिकारियों के साथ नमाज अदा की।

मुनीर ने सैनिकों और अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान ऑपरेशन ग़ज़ब-इल-हक़ के दौरान उनकी उपलब्धियों की सराहना की, जिसका उद्देश्य आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना और सीमा क्षेत्रों में स्थायी शांति सुनिश्चित करना था।

सेना ने कहा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान में सीमा पार स्थित सुरक्षित ठिकानों से सक्रिय आतंकवादियों को पाकिस्तान की सुरक्षा को कमजोर करने नहीं दिया जाएगा।

क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुनीर ने कहा कि अफगान की धरती का इस्तेमाल शत्रुतापूर्ण तत्वों द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

हवाई हमले में ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया गया, अमेरिका ने भेजे और सैनिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को शनिवार को एक हवाई हमले में निशाना बनाया गया। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'मिजान' ने यह जानकारी दी। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में ''काफी वृद्धि'' होगी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के बीच काट्ज ने एक वीडियो बयान में कहा, ''अगले सप्ताह, इजराइल और अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी आतंकवादी शासन तथा उसके आधारभूत ढांचों के विरुद्ध किए जाने वाले हमलों की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।'' स्थानीय निवासियों ने बताया कि रातभर और सुबह तक ईरान की राजधानी तेहरान में भारी हवाई हमले हुए।

अगले सप्ताह ईरान के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होगी : इजराइली रक्षा मंत्री

दुबई/एपी। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में ''काफी वृद्धि'' होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को ''समाप्त करने'' पर विचार करने की घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद काट्ज ने शनिवार को यह टिप्पणी की। काट्ज ने एक वीडियो बयान में कहा, ''इस सप्ताह, आईडीएफ और अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी आतंकवादी शासन तथा उसके आधारभूत ढांचों के विरुद्ध किए जाने वाले हमलों की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।''

अमेरिका ने ईरानी तेल पर एक महीने के लिए प्रतिबंध हटाया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने विश्व स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस अस्थायी कदम से 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। बेसेंट ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में कहा, ''यह अस्थायी, अल्पकालिक अनुमति केवल उस तेल तक सीमित है जो पहले से ही रास्ते में है और इसमें नई खरीद या उत्पादन की अनुमति नहीं है।'' युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस सप्ताह बढ़कर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से फोन पर बात की, नौवहन की स्वतंत्रता पर जोर दिया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने

के महत्व को दोहराया कि जहाजरानी मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि त्योहार का यह मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाए।

सहज स्मृति योग

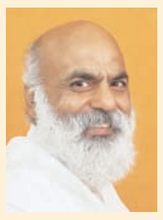

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, पश्चिमी-एशिया में जो युद्ध चल रहा है इसके मूल में क्या है? क्या यह मूलतः रिलीजियस कारणों से हो रहा है या व्यवसायिक कारणों से, या फिर राजनीतिक कारणों से ? कोई और कारण है तो पब्लिक डोमेन में क्यों नहीं आए ?आप कृपा कर यह भी बता दीजिएगा कि जो उत्तर आप दे रहे हैं उसका आधार क्या है ?

उत्तर: हर युद्ध का मूल कारण तो अधर्म या अज्ञान ही होता है। एक युद्ध से दूसरे युद्ध के बीच अंतर केवल रूप का होता है। अर्थात् वह लोभ का रूप लेकर प्रकट हुआ या क्रोध का ? काम का या मोह का? मद का रूप लेकर प्रकट हुआ या अहंकार का? तत्पश्चात वे सभी कारण जिनका कि आपने जिक्र किया है, जुड़ ही जाते हैं जैसे लोभ प्रबल हुआ तो देश अपने अपने व्यवसायिक हितों को प्राथमिकता देंगे। अहंकार प्रबल हुआ तो युद्ध क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अपने वर्चस्व को बढ़ाने या बनाए रखने को प्राथमिकता देंगे। पर होता यही है कि थोड़ी बहुत मात्रा में ये सभी कारण प्रकट हो ही जाते हैं और जो युद्ध चल रहा है वह इस का प्रत्यक्ष उदाहरण है। ईरान, अमेरिका, इस्राइल तीनों देश जो सीधे सीधे इस युद्ध में शामिल हैं वे इन तीनों कारणों से ग्रसित हैं। रही बात आधार की तो, आध्यात्मिक व्यक्ति के उत्तर देने का आधार सदैव 'धि' ही होती है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या बुद्धिमत्ता से एकत्र की सूचनाएँ नहीं। क्योंकि, कोई भी वह समाधान जो ध्यान या समाधि से नहीं दिया जाता वह केवल सूचना संग्रह पर आश्रित वाग्विलास भर होता है अतः कालातीत नहीं हो पाता। और, जो आप की अभीष्ट है वह आत्म-तृप्ति भी विशुद्ध पारलौकिक प्रज्ञा (ऋतम्भरा प्रज्ञा/धि) से ही अनुभूति में आती है और उसी से लौकिक अनुभव में विवेक उतरता है और आप जैसे सज्जन व्यक्ति हर स्थित में आत्मनंदी बने रह पाते हैं ।

दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए विवि में आधुनिक, वैज्ञानिक पाठ्यक्रम होने चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को विश्व की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम अपनाना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की क्षमताओं में निहित है।

उन्होंने रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह के दौरान यहां लोक भवन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य उन लोगों का है जो तकनीकी कौशल के साथ व्यवहारिक कौशल जैसे संप्रेषण, टीम वर्क, अनुकूलन क्षमता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का समन्वय करते हैं। उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता अनिवार्य है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की क्षमताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विश्व की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक, वैज्ञानिक पाठ्यक्रम अपनाना चाहिए।

राधाकृष्णन ने कहा, ''हमें समाज के हित में किसी द्वारा किए गए अच्छे कार्य के प्रति सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए।'' महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के राज्यपाल के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल को याद करते हुए राधाकृष्णन रेखांकित किया कि विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को आधुनिक चुनौतियों का सामना करने और शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को लगातार अद्यतन करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि डिग्री तभी सार्थक होती है जब वे रोजगार के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कौशल विकास और नई तकनीकों पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कौशल विकास और मानव संसाधन

धुआंधार काम कर रहे 'धाकड़' धामी को अब 'धुरंधर' कहा जाना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हल्द्वानी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 'धुरंधर' बताया और कहा कि धामी ने अपने चार साल के कार्यकाल में इतना धुआंधार काम किया है, जिसकी में कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था।

सिंह ने यहां धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान धामी को 'धाकड़' बताया था। उन्होंने कहा, चार साल के कार्यों को देखने के बाद उन्हें अब धुरंधर धामी कहा जाना चाहिए। उन्होंने धुआंधार काम किया है। मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में कोई सरकार इतनी तेजी से काम कर पाएगी। कई मामलों में उत्तराखंड ने पूरे देश में अव्वल स्थान हासिल किया है। धामी ने पहली बार मुख्यमंत्री के तौर पर जुलाई 2021 में राज्य की कमान संभाली थी। वर्ष 2022 में भाजपा के लगातार दूसरी बार सत्ता में आने पर धामी दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। रक्षा मंत्री ने कहा कि धामी लगातार पांच वर्षों से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं और प्रदेश में पिछले नौ साल से भाजपा की सरकार है, जो उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार के चार साल सहित भाजपा सरकार के नौ वर्षों में उत्तराखंड ने बुनियादी ढांचे ,पर्यटन, युवाओं को रोजगार, महिला सशक्तिकरण सहित हर क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति की है। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य आध्यात्म और आधुनिकता के संगम के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने चार धाम ऑल वेदर सड़क परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे सहित अनेक परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तराखंड में इस समय दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रही है और अब इसे विकसित राज्य बनने से कोई नहीं रोक सकता।

उत्तम नगर की घटना को लेकर 'तुष्टीकरण की राजनीति' कर रहे हैं राहुल गांधी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान एक दलित युवक की हत्या के मामले में तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने राहुल गांधी पर राजनीतिक अवसरवादिता का आरोप लगाते हुए दावा किया कि जब भी सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के बीच चुनाव करना होता है, तो वह (राहुल) हमेशा अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का ही पक्ष लेते हैं। उन्होंने दलित युवक की हत्या के बाद राहुल गांधी के उत्तम नगर न जाने पर भी सवाल खड़े किए। पासवान ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय में कहा, ''उत्तम नगर की घटना एक बात साबित करती है: जब भी सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के बीच चुनाव करना हो, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने हमेशा तुष्टीकरण का ही रास्ता चुना है।'' पासवान ने कहा, उत्तम नगर की घटना यह साबित करती है कि जब सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और तुष्टीकरण के बीच चुनाव होता है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण को चुनते हैं। भाजपा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए पोस्ट में इस मामले को लेकर भाजपा पर नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है-एक ओर तरुण नामक युवक की जान गई, वहीं दूसरी ओर एक पूरा परिवार उत्पीड़न झेल रहा है। वे और खून-खराबा नहीं चाहते।

चैत्र नवरात्र में भीड़ के बीच वैष्णो देवी यात्रा स्थगित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। चैत्र नवरात्र के कारण उमड़ी भीड़ के बीच शनिवार को वैष्णो देवी तीर्थयात्रा तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। शनिवार को शाम चार बजे तक 39,000 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्नीस मार्च से शुरू हुए चैत्र नवरात्र के कारण भीड़ बढ़ गई है। नवरात्र पर्व 27 मार्च तक चलेगा और इस दौरान मंदिर बोर्ड को देश भर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की उम्मीद है।

श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, ''भवन में भारी भीड़ के कारण यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है।'' उन्होंने बताया कि पुलिस वाहनों के जरिए यात्रा स्थगित करने की घोषणा की गई और रविवार को सुबह 4 बजे से नए सिरे से पंजीकरण शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 39,000 से अधिक तीर्थयात्री पवित्र शहर कटरा पहुंचे और जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों की चोटी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भारी भीड़ के कारण शनिवार को शाम 4 बजे यात्रा स्थगित कर दी गई।

सिक्किम के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के गंगटोक और पाक्योंग जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एक परामर्श के अनुसार, अगले 24 घंटों में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन होने की आशंका है। इस चेतावनी को क्षेत्र में बदलते मौसम के मद्देनजर जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हिमालयी राज्य के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। इस बीच, उन्होंने बताया कि इलाके में भारी बर्फबारी के कारण गंगटोक से त्सोमगो झील और नाथुला जाने वाली सड़क बंद कर दी गई है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगने के बाद पंजाब के मंत्री लालजीत भुल्लर ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर में राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के बाद भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। तरनतारन के पट्टी से विधायक भुल्लर ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है।

मान ने मुख्य सचिव को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मंत्री से पद छोड़ने को कहा गया। मान ने भुल्लर के इस्तीफे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''इसके पीछे क्या कारण हैं? यह जांच का विषय है। जांच कराने से पहले हमने अपने मंत्री से इस्तीफा ले लिया ताकि कोई जांच को प्रभावित न कर सके और न ही कोई दबाव डाल सके।'' मान ने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भुल्लर के परिवहन एवं जेल विभाग किसी अन्य मंत्री को सौंपे जाएंगे। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो सामने आया था जिसमें प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा को यह कहते सुना जा सकता है कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। रंधावा ने वीडियो में परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर का नाम लिया था। रंधावा के पास पट्टी का अतिरिक्त प्रभार भी था।

भुल्लर ने फेसबुक पर एक 'पोस्ट' में कहा कि उनकी पार्टी हमेशा सच के साथ खड़ी रहती है इसलिए वह चाहते हैं कि उनके खिलाफ लगे आरोपों की ठीक से जांच हो। उन्होंने कहा, ''जब तक यह जांच पूरी नहीं हो जाती... मैं पार्टी और अपने मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि मंत्री पद से मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। मैं अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भगवंत मान को भेज रहा हूं ताकि इस मामले की ठीक से जांच हो सके।'' इससे पहले, शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने आरोप लगाया कि रंधावा ने सल्फास खाकर आत्महत्या की।

हिमाचल प्रदेश में 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रु. का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि राज्य को मिलने वाले राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद करने से सालाना 8,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होगा।

राजस्व घाटा अनुदान राज्य के राजस्व और खर्चों के बीच के अंतर को पाटने के लिए केंद्र द्वारा दी जाने वाली एक वित्तीय सहायता है। इसे चालू महीने की शुरुआत में बंद कर दिया गया था। सुक्खू के बजट भाषण के दौरान विपक्षी भाजपा सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की और व्यवधान डाला। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे राजस्व घाटा अनुदान बंद होने के मुद्दे पर राज्य का साथ नहीं दे रहे हैं, जिससे राज्य के बजट पर असर पड़ा है और सालाना 8,105 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।'' इस पर भाजपा सदस्यों ने तत्काल तीखी प्रतिक्रिया दी। राज्य में यह पहली बार है जब बजट के आकार में कटौती की गई है। चालू वित्त वर्ष के 58,514 करोड़ रुपए के मुकाबले इसे घटाकर 54,928 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो 3,586 करोड़ रुपए की कमी है। अपना चौथा बजट पेश कर रहे सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की तुलना उत्तराखंड और असम से करना गलत है क्योंकि हिमाचल जल और वन जैसे सीमित संसाधनों वाला एक पहाड़ी राज्य है। उन्होंने कहा, ''हिमाचल उत्तर भारत का फेफड़ा है और इसे 'हरित बोनस' मिलना चाहिए, लेकिन इसके बजाय राज्य का राजस्व घाटा अनुदान बंद कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया भर के संघर्षों का असर अब राज्य पर भी पड़ने लगा है और अमेरिका-इजरायल तथा ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण एलपीजी की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए राज्य में 8.3% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 9.8% बढ़कर 2,83,626 रुपए हो गई है। मुख्यमंत्री ने कांगड़ा में एयरोसिटी विकसित करने की योजना और जिले में हवाई अड्डा बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 3,300 करोड़ रुपए के प्रावधान की भी घोषणा की।

पालतू बिल्ली रखने पर माता-पिता की आपत्ति के बाद एक महिला डॉक्टर ने 'आत्महत्या' की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुकी 23 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उसने बताया कि इस महिला ने यह अतिवादी कदम इसलिए उठाया क्योंकि उसके परिवार वालों ने घर में पालतू बिल्ली रखने पर आपत्ति जताई थी।

पुलिस ने बताया कि यहां अलवाल में उसने अपने घर में शुक्रवार को फांसी लगा ली।

उसने बताया कि एमबीबीएस के बाद आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रही यह महिला पिछले तीन महीनों से पालतू जानवर पाल रही थी। पुलिस के मुताबिक महिला के माता-पिता ने इस पर आपत्ति जताई, जिसके कारण उसने यह अतिवादी कदम उठाया।

यहां मीरपेट में 18 मार्च को 20 वर्षीय एक विद्यार्थी ने कथित तौर पर अपनी पालतू बिल्ली की मौत से दुखी होकर आत्महत्या कर ली थी।

भारत का दूध उत्पादन 2025 में बढ़कर हुआ 24.7 करोड़ टन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम एल जाट ने कहा कि देश में दूध उत्पादन 1950 में 1.7 करोड़ टन से बढ़कर 2025 में 24.7 करोड़ टन हो गया।

प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक जाट ने कहा कि 17.25 लाख करोड़ रुपए के पशुधन क्षेत्र में डेयरी का वर्चस्व है। यह क्षेत्र कुल उत्पादन में 65 प्रतिशत योगदान देता है और देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, जिससे 46.1 प्रतिशत आबादी को आजीविका मिलती है। उन्होंने हरियाणा के करनाल स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट में पशुपालन क्षेत्र के लिए 6,153 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष से 16 प्रतिशत अधिक है। इस राशि का उपयोग 20,000 पशु चिकित्सकों की नियुक्ति, महाविद्यालयों और प्रयोगशालाओं को सहायता तथा सहकारी संस्थाओं को कर राहत देने में किया जाएगा।

एनडीआरआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, जाट ने कहा कि दूध उत्पादन में वृद्धि में उत्तर प्रदेश अग्रणी है, जबकि उत्पादकता के मामले में पंजाब और हरियाणा शीर्ष पर हैं। नीति आयोग ने वर्ष 2047 तक दूध की मांग 48 से 60.6 करोड़ टन के बीच रहने का अनुमान जताया है।

सरकार ने घरेलू उत्पादन बढ़ने के बीच वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन 50 प्रतिशत तक बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन मंजूर किया है, जिससे कुल आवंटन 50 प्रतिशत हो गया है। घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है।

पश्चिम एशिया में तीन सप्ताह से जारी युद्ध के कारण भारत को ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आई। इसके कारण पहले होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति घटा दी गई थी ताकि घरेलू रसोई के लिए गैस उपलब्ध रहे।

बाद में उनके आपूर्ति का पांचवां हिस्सा बहाल किया गया और सरकार ने अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन की पेशकश की थी, यह शर्त रखते हुए कि राज्य पाइप्ड गैस परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें। शनिवार को सरकार ने रेस्तरां, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, सामुदायिक रसोई और सब्सिडी वाले खाद्य केंद्रों के लिए एलपीजी का 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन करने की घोषणा की। साथ ही सरकार ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को लक्षित वितरण के माध्यम से सहायता भी प्रदान की जाएगी। तेल सचिव द्वारा राज्यों को लिखे गए पत्र के अनुसार, यह अतिरिक्त एलपीजी आवंटन उन वाणिज्यिक संस्थानों को मिलेगा जिन्होंने तेल कंपनियों के साथ पंजीकरण कराया हो और पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए आवेदन किया हो। सरकारी बयान में कहा गया कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास किसी प्रकार की कमी नहीं है और वितरण कार्य सामान्य रूप से जारी हैं।

अनिश्चितता के समय भी संबंधों को बनाए रखने में मदद करती है वाणिज्य दूतावास प्रणाली : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वाणिज्य दूतावास प्रणाली एक स्थिरकारी शक्ति और एक सेतु दोनों के रूप में कार्य करती है, जिससे व्यापक राजनीतिक परिस्थितियों में अनिश्चितता के समय भी संबंधों को बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुपचाप, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से वैश्विक संबंधों की मजबूती में योगदान देती है।

थरूर ने शुक्रवार शाम 'कॉन्सुलर दिवस' के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि वाणिज्य दूतावास कार्य कूटनीति का एक रूप है, ''जिसे विज्ञप्तियों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आने वाले ठोस अंतर से मापा जाता है'' इस कार्यक्रम का आयोजन 'ऑनररी कॉन्सुलर कोर डिप्लोमैटिक - इंडिया' द्वारा मानद वाणिज्य दूतावासों और गैर सरकारी संगठनों को वाणिज्य दूत गतिविधियों एवं द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में उनके ''उत्कृष्ट कार्य'' के लिए पुरस्कार प्रदान करने के वास्ते किया गया। विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे, जिसमें कई देशों के राजदूतों ने भाग लिया। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा, ''भू-राजनीतिक तनाव से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट तक, यात्रा में व्यवधान से लेकर प्रवासन की जटिलताओं तक, वाणिज्य दूतावास प्रणालियों के समक्ष मांगों की संख्या, स्तर और संवेदनशीलता दोनों लिहाज से बढ़ी है।'' थरूर की टिप्पणी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इस क्षेत्र के प्रभावित देशों से भारतीय नागरिकों के भारत में पलायन के बीच आई है, जिसमें वाणिज्य दूतावास सेवाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एक ऐसे आयाम को दर्शाता है, जो एक ही समय में ''गहराई से व्यावहारिक और गहराई से मानवीय'' है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हालांकि कूटनीति का अधिकांश हिस्सा अक्सर उच्च राजनीति और सुर्खियां बटोरने वाली बातचीत से जुड़ा होता है, वहीं वाणिज्य दूतावास कार्य एक अलग स्तर पर संचालित होता है, जो लोगों की वास्तविकताओं के करीब होता है।

समानता हकीकत में तब्दील होना चाहिए : प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को विधि पेशे में महिलाओं के लिए 'औपचारिक समानता' को वास्तविक, व्यावहारिक अनुभवों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इसी के साथ महिलाओं की निरंतर भागीदारी और उन्नति सुनिश्चित करने के लिए ढांचागत सुधारों एवं सतत संस्थागत समर्थन का आह्वान किया।

प्रधान न्यायाधीश ने बेंगलूरु के बाहरी इलाके में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में 'न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों का सुदृष्ढ़ीकरण' विषय पर परिचर्चा के दौरान एक सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित किया, जिसमें महिला वकीलों के सामने आने वाली चुनौतियों और प्रणालीगत समाधानों की आवश्यकता को दर्शाया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि जब हम अपने संवैधानिक ढांचे के भीतर समानता की बात करते हैं, तो यह समानता केवल कागजी नहीं होनी चाहिए। इसलिए समानता को वास्तविकता में तब्दील करना होगा। उन्होंने महिला वकीलों द्वारा तैयार किए गए सर्वेक्षण की सराहना करते हुए इसे एक अत्यंत उल्लेखनीय और वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा आंखें खोलने वाला बताया, जो चुनौतियों की पहचान और समाधान के लिए एक मार्गदर्शन करता है।

सीजेआई ने उत्साहजनक रुझानों की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब विधि विद्यालयों में 50 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी छात्राएं हैं और बार में नए प्रवेशकों में भी उनका एक अच्छा खासा अनुपात है। हालांकि, उन्होंने वकीलों के बीच में ही पेशा छोड़ने की दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, समस्या इसके बाद शुरू होती है। क्या हम जीवन में प्रगति के बाद के चरणों में, पेशेवर जीवन में प्रगति के दौरान, उस समानता को बनाए रख पा रहे हैं? न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, आइए उन मुद्दों, चुनौतियों, बाधाओं और अड़चनों की पहचान करें, जो अंततः महिलाओं को समानता से वंचित कर रहे हैं।

ठोस उपाय सुझाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने सरकारी पैनल और कानूनी सहायता में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें 30 प्रतिशत से संतुष्ट नहीं होना चाहिए - कम से कम 50 प्रतिशत महिला वकीलों को सरकारी वकील के रूप में पैनल में शामिल किया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि कानूनी सहायता समितियों में भी इसी तरह का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने लंबित मुकदमों से निपटने के लिए न्यायिक सुधार आयोग गठित करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अधिकारी जांच से बचने के लिए अपील दायर करते हैं, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां विवादों का निपटारा पहले ही किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप मामले अनावश्यक रूप से कई न्यायिक स्तरों से गुजरते हैं।

बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने शनिवार को अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों को कम करने के लिए एक न्यायिक सुधार आयोग के गठन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों में प्रणालीगत खामी की वजह से न्याय वितरण में देरी हो रही है। वह यहां सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना: लोकतांत्रिक न्याय के लिए संस्थानों को मजबूत करना विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

यहां लंबित मामलों से 'त्वरित न्याय की ओर : भारतीय न्यायालयों में न्याय वितरण पर पुनर्विचार' विषय पर आयोजित परिसंवाद का हिस्सा रहीं न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस सुधार आयोग में न केवल उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और जिला न्यायपालिका के सदस्य होने चाहिए, बल्कि बार एसोसिएशन, अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और संस्थागत स्तर पर बार का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ सदस्य, जैसे कि बार अध्यक्ष, और सरकार की ओर से भी सदस्य होने चाहिए ताकि लंबित मामलों को कम करने पर अंतर-संस्थागत संवाद स्थापित किया जा सके।

उन्होंने रेखांकित किया कि विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण, मुकदमे की यथास्थिति से पक्षकार के लाभ जैसे कारणों से कार्यवाही को लंबा खींचने की कोशिश होती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, एक वकील या अधिवक्ता को स्थगन और सुनवाई में देरी पसंद होती है क्योंकि इससे उसे प्रति उपस्थिति और विस्तारित समयसीमा का लाभ मिलता है। सरकारी विभाग हार स्वीकार करने के बजाय अपील करके नौकरशाही संबंधी जोखिम को कम करता है।

उन्होंने कहा, एक न्यायाधीश, और विशेष रूप से सुनवाई अदालत का न्यायाधीश, हमेशा सावधानी से कार्य करता है क्योंकि उसे अपील में फैसले के पलटने का सामना करना पड़ता है, और इसलिए वह आक्रामक तरीके से मामलों को नियंत्रित करने के बजाय प्रक्रियात्मक सावधानी को प्राथमिकता देता है। इनमें से प्रत्येक निर्णय व्यक्तिगत रूप से तर्कसंगत है, लेकिन इससे व्यवस्था को क्या लाभ होता है? इससे केवल व्यवस्था में देरी ही होती है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इससे निपटने के लिए कहा कि न्यायाधीशों से बेहतर आचरण की अपील करने, प्रक्रियात्मक समय-सीमा का पालन करने, अधिवक्ताओं से स्थगन न मांगने का अनुरोध करने, सरकार से मुकदमेबाजी कम करने का आग्रह करने, या अदालतों से चौबीसों घंटे काम करने और न्यायाधीशों से छुट्टी न लेने की अपेक्षा करने के बजाय, न्यायिक आयोग के माध्यम से संस्थागत हस्तक्षेप की आवश्यकता है ताकि लंबित मामलों को कम किया जा सके।

उन्होंने लंबित मामलों संबंधित अदालत के आंकड़ों में दोषपूर्ण दस्तावेजों को शामिल करने पर सवाल उठाया, और सुझाव दिया कि ऐसे मामलों को तब तक नहीं गिना जाना चाहिए जब तक कि वे प्रक्रियात्मक रूप से सुनवाई के लिए तैयार न हों।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने सरकार की भूमिका को मुकदमेबाजी का सबसे बड़ा स्रोत बताते हुए रेखांकित किया कि अधिकारी जांच से बचने के लिए अपील दायर करते हैं, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां विवादों का निपटारा पहले ही किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप मामले अनावश्यक रूप से कई न्यायिक स्तरों से गुजरते हैं। शीर्ष अदालत की न्यायाधीश ने टिप्पणी की, सरकार सार्वजनिक रूप से न्यायिक लंबित मामलों के बारे में चिंता व्यक्त करती है, जबकि साथ ही साथ लगातार मुकदमेबाजी के माध्यम से उस लंबित मामले को और बढ़ाती है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने दावा किया कि न्यायिक क्षमता अपर्याप्त सरकारी निवेश से प्रभावित हो रहा है, जिसमें न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी, बुनियादी ढांचे की कमी और प्रौद्योगिकी का अपर्याप्त उपयोग शामिल है। उन्होंने समस्या का समाधान के लिए बेहतर मुकदमा प्रबंधन, अनावश्यक स्थगन पर अंकुश लगाने, प्रौद्योगिकी को अपनाने, मामलों को प्राथमिकता देने, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देने और विशेष पीठों के निर्माण का सुझाव दिया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अधिवक्ताओं से पेशेवर और नैतिक मानकों का पालन करने, वादियों से ओछी अपील से बचने और सरकार से एक व्यावहारिक मुकदमेबाजी नीति अपनाने तथा न्यायपालिका में समय पर धन और नियुक्तियां सुनिश्चित करने का की भी अपील की।

सामाजिक कल्याण अधिकारी ने कार्यालय में आत्महत्या की, वरिष्ठों को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुर। तुमकुर जिले में सामाजिक कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद अपने कार्यालय में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सहायक निदेशक मल्लिकार्जुन का शव शुक्रवार को पावागड़ा कस्बे में समाज कल्याण विभाग के कार्यालय में पंखे से लटका मिला।

विभाग के तालुक-स्तरीय अधिकारी ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल फोन पर एक सेल्फी वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि संयुक्त निदेशक कृष्णप्पा द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पुलिस ने बताया कि मल्लिकार्जुन पावागड़ा के गुंडरलाहल्ली का मूल निवासी था। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां, पत्नी और बच्चों ने उसका अच्छे से ख्याल रखा है। पीड़ित ने दावा किया कि ईश्वर और कानून वरिष्ठ सहयोगी को उनके कृत्यों के लिए दंडित करेंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मल्लिकार्जुन के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और सेल्फी वीडियो के आधार पर संयुक्त निदेशक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि संयुक्त निदेशक ने हाल में मल्लिकार्जुन के खिलाफ जांच शुरू की थी। उन्होंने बताया कि मल्लिकार्जुन महज 10 दिन में सेवानिवृत्त होने वाले थे और इस जांच से उनकी पेंशन और कार्य संबंधी अन्य मामलों पर असर पड़ सकता था।

'ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बावजूद बस के किराए में बढ़ोतरी नहीं'

बेंगलूरु। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बावजूद बस के किराये में फिलहाल किसी तरह की वृद्धि से इनकार किया। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी वैश्विक कारणों से हुई है और राज्य सरकार इस समय यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालेगी। रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, सिर्फ डीजल के दाम बढ़ने से हम किराया नहीं बढ़ाएंगे। अभी हमारे पास किराया बढ़ाने का अधिकार नहीं है। हम किराया नहीं बढ़ा रहे हैं।

किराये में संशोधन की समीक्षा के लिए समिति गठित किए जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि सरकार फिलहाल ऐसा कोई कदम उठाने पर विचार नहीं कर रही है। उन्होंने ईंधन की कीमतों में मौजूदा उछाल का कारण भू-राजनीतिक तनाव को बताया और उम्मीद जताई कि स्थिति सामान्य होने पर कीमतें कम हो जाएंगी।

उन्होंने कहा, ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की स्थिति के कारण कीमतें बढ़ी हैं। अगर युद्ध समाप्त होता है, तो कीमतें अपने आप कम हो जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर निकट भविष्य में कीमतें और बढ़ती हैं, तो भी किराया तुरंत नहीं बढ़ाया जाएगा।

रेड्डी ने हाल के वर्षों में ईंधन की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार के रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतें पहले कम हुई थीं, लेकिन इसका लाभ जनता को नहीं मिला। मंत्री ने कहा कि लगभग एक दशक से कच्चे तेल की कम कीमतों से उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं मिली है और इसका अधिकांश लाभ केंद्र सरकार को ही मिला है।

बेंगलूरु में शनिवार को आयोजित रमजान की नमाज में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उन्हें पवित्र महीने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने राज्य में शांति और भाईचारे का संदेश भी साझा किया।

कर्नाटक में ईद धूमधाम से मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में शनिवार को ईद-उल-फितर धार्मिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। हजारों लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में विशेष नमाज अदा की। बेंगलूरु और अन्य प्रमुख शहरों में लोग सुबह-सुबह बड़ी संख्या में नमाज अदा करने, ईद की मुबारकबाद देने और रिश्तेदारों व दोस्तों से मिलने के लिए एकत्रित हुए। बाजारों में उत्सव का माहौल था और त्योहार से पहले कपड़ों, मिठाइयों और आभूषणों की बिक्री में जबरदस्त तेजी देखी गई।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अपने संदेश में कहा, ईद-उल-फितर का पर्व देश भर में इसे मना रहे सभी नागरिकों के लिए आनंद, शांति और समृद्धि लेकर आए। ऐसे में जब रमजान का महीना समाप्त हो गया है, आइए हम करुणा, उदारता और एकता के मूल्यों को संजोकर रखें। सभी को ईद मुबारक!

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने ईद के पाक अवसर पर राज्य और देश भर के मुसलमानों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और मानवता की भलाई के लिए प्रार्थना करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने शनिवार को बेंगलूरु में ईद के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक नमाज में भाग लेने के बाद ये बातें कहीं। अपनी शुभकामनाओं को व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना करना बहुत महत्वपूर्ण है और लोगों को आपसी प्रेम, विश्वास और मानवता की भावना के साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विविध संस्कृतियों और समुदायों का देश है और लोगों को एकता में मिलकर रहना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि कोई भी धर्म घृणा नहीं सिखाता और सभी धर्म प्रेम को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आज रमजान के अवसर पर हमने सबने मिलकर नमाज पढ़ी। हमने मानवता और ईश्वर के लिए प्रार्थना की। हम सभी को मनुष्य के रूप में जीना चाहिए। अगर हम अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहते हैं, तो हमें आपसी प्रेम और सद्भाव से रहना चाहिए। यह अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि भारत अनेक जातियों, धर्मों और संस्कृतियों का देश है। इस देश में, चाहे हम किसी भी जाति या धर्म के हों, हमें एकता से मिलकर रहना चाहिए। कोई भी धर्म घृणा का उपदेश नहीं देता, चाहे वह इस्लाम हो, हिंदू धर्म हो, सिख धर्म हो या ईसाई धर्म। ये सभी धर्म प्रेम को बढ़ावा देते हैं, घृणा को नहीं। इस संदर्भ में, हम सभी को एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं यह संदेश देना चाहता हूं कि आपसी सम्मान और प्रेम का वातावरण बनाना अत्यंत आवश्यक है। मैं देश के सभी मुस्लिम भाइयों और बहनों को ईद मुबारक की शुभकामनाएं देता हूं। सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं सभी को नमस्कार करता हूं।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, यह ईद खुशियां और समृद्धि लाए। ईद मुबारक! ईद पर लोगों के घरों में पारंपरिक पकवान जैसे सेवइयां और बिरयानी तैयार किए गए। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि रमजान के अवसर पर सभी मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। शांति और सद्भाव का प्रतीक रमजान सभी के लिए खुशियां और समृद्धि लाए। मेरी कामना है कि यह हर घर और दिल को आनंद से भर दे।

कोप्पल में सड़क हादसा, ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कोप्पल जिले के कुश्तगी इलाके में शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें मालवाहक ट्रक के ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे शहर के बाहरी इलाके में नेशनल क्राड्रिलेटरल हाईवे पर हुआ। जानकारी के अनुसार कर्नाटक की एक प्रतिष्ठित निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी की मालवाहक लॉरी का टायर अचानक फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय ड्राइवर गोविंदप्पा टांडी हनुमंथप्पा अनेगुंडी और 35 वर्षीय क्लीनर हुच्चप्पा टांडी शिवलिंगप्पा बोम्मनहल के रूप में हुई है। दोनों येलबुर्गा तालुका के कटगीहल्लि गांव के निवासी थे।

बताया जा रहा है कि यह लॉरी वीआरएल ट्रांसपोर्ट कंपनी की थी, जो महाराष्ट्र के सोलापुर से कर्नाटक के कोप्पल जिले के गंगावती की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन कुश्तगी के पास नेशनल हाईवे पर अशोका लेलैंड शोरूम के करीब पहुंचा, उसी समय टायर फट गया। टायर फटने के बाद लॉरी का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ गई। इसके बाद सामने से आ रहे एक टिपर ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे लॉरी पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि पलटने के बाद डीजल टैंक में आग लग गई और सड़क पर बिछा डामर भी जलने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कुश्तगी पुलिस स्टेशन के अनुसार, हादसा इतना गंभीर था कि ड्राइवर और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की तीव्रता के कारण दोनों के शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

सांस्कृतिक वैभव

मंगलुरु के लालबाग स्थित करावली उत्सव मैदान में शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अल्वा का सांस्कृतिक वैभव' का शानदार आयोजन हुआ। इसमें कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, जिसमें पारंपरिक नृत्य और संगीत के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाया गया।

बेंगलूरु में लंबित पानी बिलों पर 100 प्रतिशत ब्याज माफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उगादी के मौके पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शहरवासियों को बड़ी राहत देते हुए लंबित पानी के बिलों पर 100 प्रतिशत ब्याज माफी की घोषणा की है। उन्होंने वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना का ऐलान किया, जो अप्रैल से जून 2026 तक तीन महीने के लिए लागू रहेगी। यह योजना बैंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा लागू की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति में शिवकुमार ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन उपभोक्ताओं को राहत देना है, जिन पर लंबे समय से पानी के बिल बकाया हैं। योजना के तहत, यदि उपभोक्ता अपने बकाया मूलधन (प्रिंसिपल अमाउंट) का पूरा भुगतान करते हैं, तो अप्रैल 2026 तक जमा हुए पूरे ब्याज को माफ कर दिया जाएगा। इससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें बकाया चुकाने में सुविधा मिलेगी।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, बीडब्ल्यूएसएसबी के अंतर्गत करीब 11 लाख जल कनेक्शन हैं, जिनमें से लगभग 5.11 लाख उपभोक्ताओं पर बकाया है। फरवरी 2026 के अंत तक कुल बकाया राशि 851.33 करोड़ रुपये है, जिसमें 539.43 करोड़ रुपये मूलधन और 311.90 करोड़ रुपये ब्याज शामिल है। सरकार का कहना है कि यह योजना जहां एक ओर उपभोक्ताओं को राहत देगी, वहीं दूसरी ओर जल बोर्ड की वित्तीय स्थिति को भी मजबूत करेगी। तीन महीने की इस अवधि में जो उपभोक्ता पूरा मूलधन चुका देंगे, उन्हें ब्याज में पूरी छूट दी जाएगी।

यह ओटीएस योजना सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं, घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक, पर लागू होगी। साथ ही, सरकारी विभागों और संस्थानों के बकाया का निपटान भी खातों के मिलान के जरिए किया जाएगा। भुगतान को आसान बनाने के लिए बीडब्ल्यूएसएसबी प्रत्येक बकायेदार को उसका आरआर नंबर, मूलधन, माफ किया जाने वाला ब्याज और अंतिम देय राशि की जानकारी देगा। उपभोक्ता बीडब्ल्यूएसएसबी कियोस्क, ऑनलाइन पोर्टल और विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों के जरिए अपने बिल का भुगतान कर सकेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि इस योजना से 5.11 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है और करीब 311 करोड़ रुपये के ब्याज की माफी से उनका आर्थिक बोझ काफी कम होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस तीन महीने की अवधि का पूरा लाभ उठाकर अपने बकाया का निपटान करें।

देश की सामरिक आत्मनिर्भरता में राजस्थान निभाएगा अहम भूमिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा लॉन्च की गई राजस्थान एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी-2026 से राज्य देश की सामरिक आत्मनिर्भरता में अहम भूमिका निभाने जा रहा है। इस नीति के अंतर्गत राज्य में विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, मिसाइल, एवियोनिक्स, सैटेलाइट बसें, बख्तरबंद वाहन, रडार, नेविगेशन, संचार और नियंत्रण प्रणालियां, रोबोटिक्स और डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण होगा। इससे मेक इन इंडिया को मजबूती मिलेगी। निवेशको को आकर्षित करने के लिए नीति में वित्तीय एवं गैर-वित्तीय प्रोत्साहन और प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर, कौशल विकास सहयोग तथा त्वरित सेवाओं के प्रावधान भी किए गए हैं। राजस्थान एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी-2026 का प्रमुख उद्देश्य एयरोस्पेस और डिफेंस वैल्यू चेन में मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च, टेस्टिंग और सर्विसेज को प्रोत्साहन देते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धी इकोसिस्टम तैयार करना है। यह नीति ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्स (ओइएम), सिस्टम इंटीग्रेटर्स, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और स्किलिंग इंस्टीट्यूशन्स को एयरोस्पेस एवं डिफेंस वैल्यू चेन में प्रोत्साहित करती है। साथ ही, नीति को डिफेंस प्रोडक्शन एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी (डीपीइपीपी), आईडेक्स, आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय अभियानों के सामंजस्य के साथ बनाया गया है।

प्रभावी औद्योगिक नीतियां और तेज आर्थिक विकास, दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजमार्गो का विशाल नेटवर्क, पर्याप्त भूमि की उपलब्धता के साथ-साथ विभिन्न धातुओं की सुलभता प्रदेश को एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का हब स्थापित करने में कारगर साबित होगी। स्टील, तांबे और पीतल की यूनिट्स का मेटल मशीनिंग सेक्टर गोला-बारूद और डिफेंस के पुर्जे बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही,

ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का मजबूत इकोसिस्टम डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर को मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक बनेगा।

लार्ज, मेगा और अल्ट्रा मेगा श्रेणियों में स्थापित होगी परियोजना

इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रुपये से 300 करोड़ रुपये तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा गया है। वहीं, सेवा सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रुपये तक मेगा और 250 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएं अल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी गई हैं।

नीति में विनिर्माण और सेवा उद्यमों के लिए पूंजीगत, निवेश अनुदान या टर्न ओवर लिंक प्रोत्साहन के परिलाभ का विकल्प दिया गया है। एसेट क्रिएशन पर टॉपअप के रूप में एम्पलॉयमेंट, सनराइज, एंकर और थ्रस्ट बूस्टर्स के भी प्रावधान किए गए हैं। विशेष इंसेन्टिव के रूप में बैंकिंग, व्हीलिंग और ट्रांसमिशन चार्जेज में छूट, फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल, ऑफिस-स्पेस लीज रेंटल सब्सिडी तथा कैप्टिव पावर प्लांट में किए गए निवेश का 51 प्रतिशत पात्र स्थायी पूंजीगत निवेश में शामिल करना है।

इसके साथ ही उद्योगों को दीर्घकालिक राहत देने के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क से 100 प्रतिशत छूट, 7 वर्षों तक मंडी शुल्क अथवा बाजार शुल्क का 100 प्रतिशत पुनर्भरण, स्टाम्प शुल्क और रूपांतरण शुल्क के भुगतान में 75 प्रतिशत छूट तथा 25 प्रतिशत पुनर्भरण के प्रावधान किए गए हैं। ग्रीन इन्सेंटिव, स्किल एवं ट्रेनिंग इन्सेंटिव तथा इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी क्रिएशन इन्सेंटिव जैसे प्रावधान नीति को और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

शाही ठाठ-बाट से निकली गणगौर माता की शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की विश्व प्रसिद्ध गणगौर की शोभायात्रा को देखने के लिए शनिवार को जयपुरवासी उमड़ पड़े। चारदीवारी पूरी तरह गणगौर और ईसर के रंग में रंग गई। पहली बार 210 लोक कलाकारों के अलग-अलग समूह ने लोक कला की ऐसी रंगत बिखेरी कि दर्शक निहारते ही रहे। वहीं, 32 पारंपरिक लवाजमों के भव्य संयोजन ने गणगौर माता की शाही सवारी में चार चांद लगा दिए। लोक कला और परंपरा की जुगलबंदी ने शहरवासियों और पर्यटकों को आनंदित कर दिया।

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया। इसके बाद जनानी ड्योढ़ी से शाही सवारी में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों और बैंड की स्वर लहरियों के साथ लाल वस्त्रधारी कहार माता को कंधों पर उठाकर त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता पहुंचे। शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही। यहां गणगौर माता के दर्शन के लिए काफी देर से खड़े श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया।

सजी-धजी झांकियों और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मार्ग के दोनों ओर एकत्र होकर माता के दर्शन करते नजर आए। गणगौर माता का श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा। माता को लगभग 1.5 किलो के मुकुट, 150 ग्राम के मांग टीका, 900 ग्राम के चंपाकली हार सहित पारंपरिक शाही आभूषणों से अलंकृत किया गया।

राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश हुई और सबसे अधिक बारिश झुंझुनू के मंडावा में 18 मिलीमीटर रही।

इसके अनुसार बदले मौसम के कारण राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 26 से 30 डिग्री रह रहा है जो सामान्य से 2-8 डिग्री नीचे है। शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में सर्वाधिक तापमान जैसलमेर में 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्र का कहना है कि शनिवार को जैसलमेर, बाड़मेर व आसपास के जिलों में हल्की बारिश होने तथा राज्य के शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम केंद्र के अनुसार एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में 22 मार्च को हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। केंद्र के अनुसार शेष अधिकांश भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। राज्य में आगामी एक सप्ताह उष्ण लहर की संभावना नहीं है।

ईद-उल-फितर के जश्न के बीच अमेरिका और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में शनिवार को ईद-उल-फितर के जश्न के दौरान ईरान पर हुए हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हुए। राजधानी जयपुर सहित कई शहरों में शिया और सुन्नी समुदायों के लोगों ने अमेरिका व इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए। जयपुर के आमेर इलाके में दोनों समुदायों की महिलाओं व बच्चों ने एक मार्च निकाला और उन्होंने अमेरिका व इजराइल के खिलाफ नारे लगाए तथा ईरान में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। आमेर किले के पास प्रदर्शनकारी पोस्टर लेकर इकट्ठा हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान में उनके धर्मगुरु की हत्या कर दी गई और उनका त्यौहार का यह मौका मातम में बदल गया है।

शहर के सुभाष चौक पर भी शिया समुदाय के सदस्यों ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। सीकर और अजमेर से भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन के समाचार हैं।

जहां इन समुदाय के लोगों ने विरोध जताने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की वहीं कुछ मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। अजमेर में इमाम-ए-जुमा मौलाना सैय्यद तकी जाफर ने कहा कि समुदाय ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक मना रहा है। इन विरोध प्रदर्शनों के बीच पूरे राज्य में ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई।

लोगों ने शांति के लिए दुआ की और एक-दूसरे को बधाई दी। कई जगहों पर हिंदू समुदाय के सदस्यों ने नमाजियों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। अधिकारियों ने जयपुर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। ईदगाह और जामा मस्जिद समेत प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस और अन्य बलों के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई इलाकों में ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएं : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास अपने उदयपुर प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को रविन्द्रनाथ टैगौर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय (आरएनटी मेडिकल कॉलेज) पहुंचे। उन्होंने सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पीटल और ट्रोमा एण्ड सर्जिकल इमरजेंसी युनिट का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेज फैकल्टी से संवाद भी किया। इसमें उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने क लिए सुझाव आमंत्रित किए। साथ ही, रिसर्च पर फोकस करने की सलाह दी।

मुख्य सचिव ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे मेरा अस्पताल-मेरी जिम्मेदारी अभियान तथा रेफर होकर आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए तैयार किए गए रैपिड रेफरल रिड्रसल सिस्टम-सेतु के बारे में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने इसकी प्रशंसा करते हुए मरीजों के लिए बहु उपयोगी बताया। सीएस ने न्यूरोलॉजी एवं ग्रेस्टोएन्ट्रोलॉजी वार्डों का अवलोकन करते हुए मरीजों और परिजनों से संवाद भी किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं तथा उपचार की गुणवत्ता के बारे में भी मरीजों व परिजनों से फीडबैक लिया। इसके पश्चात उन्होंने ट्रोमा एण्ड सर्जिकल इमरजेंसी युनिट का भी निरीक्षण किया।

मुख्य सचिव ने आरएनटी मेडिकल कॉलेज अकादमिक भवन में पहुंच कर मेडिकल कॉलेज के सभी विभागाध्यक्षों तथा सीनियर प्रोफेसर्स की बैठक ली। फैकल्टी के साथ संवाद करते हुए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में उच्च गुणवत्तापूर्ण लाईब्रेरी होनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शोध की आवश्यकता पर भी जोर दिया, इसके लिए डीन रिसर्च नियुक्त करने का सुझाव दिया। उन्होंने संकाय सदस्यों से इण्डेक्स जनरलों में पब्लिकेशन ज्यादा से ज्यादा प्रकाशित करने का आग्रह किया। साथ ही, कहा कि जिन चिकित्सकों का इण्डेक्स पब्लिकेशन की संख्या उच्च स्तर की है, उन्हें विदेशों में अधिवेशन, कॉन्फ्रेंस में भाग लेने की अनुमति प्रदान की जाएगी। जिन-जिन विभागों में शोध कार्य ज्यादा है, उन विभागों में पोस्ट ग्रेज्युएट (पीजी) सीटों में वृद्धि करने में आसानी होगी।

उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालय में रिक्त पदों को भरने का भी आश्वासन दिया। सीएस ने हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, आरएसएमएम, अन्य कॉर्पोरेट संस्थानों से परमानेन्ट स्टडी चेयर लगाने का सुझाव दिया। इसके तहत राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चिकित्सकों को संस्थानों में लगाया जा सकेगा जिससे चिकित्सा संस्थानों में शोध में वृद्धि होगी। मुख्य सचिव ने नर्सिंग केयर की गुणवत्ता व महत्वता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा ओपीडी के समय में वृद्धि कर सायंकालीन ओपीडी प्रारम्भ करने के सुझाव की प्रशंसा की। सीएस ने ई-गर्वनेन्स व डिजिटल प्रोजेक्ट राज्य के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों में भी लागू करने का सुझाव दिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को वन एवं अर्थव्यवस्था (ÞÌ¶ÖÖí रपव शलेपोळली) थीम पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत वन एवं वन्यजीव संरक्षण को सुदृढ़ करने के लिए वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री द्वारा कई महत्वपूर्ण पहल की गयीं। कार्यक्रम में घायल वन्यजीवों के त्वरित बचाव एवं सुरक्षित स्थानांतरण के लिए आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित 5 रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई गयी । इसके साथ ही वन क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 460 मोटरसाइकिलों को भी रवाना किया गया, जिससे फील्ड स्टाफ को दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करने में सुविधा होगी।

इस अवसर पर जयपुर जिले के शाहपुरा तहसील में विकसित अटल वन का उद्घाटन भी किया । लगभग 30 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस वन में इंटरप्रिटेशन सेंटर, वॉकिंग ट्रेल, वॉच टावर, सोलर फेंसिंग तथा जैव विविधता संरक्षण से जुड़े अनेक नवाचार शामिल हैं, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया । साथ ही वृक्षारोपण एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वनमित्रों को पेट्रोलिंग किट भी वितरित की गयी । जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन परियोजना (उठएडइझ) परियोजना के अंतर्गत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के साथ समझौता ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर किए गए।जिससे हज़ारों ग्रामीण महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

वन प्रबंधन में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देते हुए उ‌ळसळतरप डिजिटल प्लेटफॉर्म के नए मॉड्यूल (झेउ-3 एवं झेउ-4) को भी लाइव किया गया , जिससे वन्यजीव आवास निगरानी एवं कार्बन क्रेडिट प्रबंधन में सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (ङएख--) की नई वेबसाइट का लोकार्पण भी किया गया, जिससे पर्यावरण स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक सरल एवं पारदर्शी बनेगी।

खनन क्षेत्र सुधारों और नवाचारों का रोडमैप करें तैयार : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अपने उदयपुर दौरे के दौरान शनिवार को पंचवटी स्थित राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड (आरएसएमएमएल) मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक पी. रमेश, एजीएम दीपक मेहता, वित्तीय सलाहकार भारती राज सहित अन्य अधिकारियों ने मुख्य सचिव का स्वागत किया।

मुख्य सचिव ने आरएसएमएमएल की विभिन्न गतिविधियों, प्रशासनिक प्रतिवेदन एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। प्रबंध निदेशक पी. रमेश ने संस्थान का इतिहास, वर्तमान गतिविधियां, उत्पादन क्षमता, विक्रय व्यवस्था तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से प्रस्तुतीकरण दिया। साथ ही खान एवं भू-विज्ञान विभाग के निदेशक महावीर प्रसाद मीणा ने विभाग के प्रशासनिक प्रतिवेदन की जानकारी साझा की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने खनन क्षेत्र में सुधारों (रिफॉर्म्स) की संभावनाओं पर मंथन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन सेक्टर में नई नीतिगत पहल और सुधारों की पहचान कर एक ठोस रोडमैप तैयार किया जाए, जिससे राजस्व अर्जन में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को नई संभावनाओं की तलाश करते हुए नवाचार अपनाने पर भी जोर दिया।मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उदयपुर दौरे के दौरान बलीचा स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान उदयपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान परिसर का अवलोकन किया तथा अकादमिक सदस्यों और शैक्षणिक स्टाफ के साथ संवाद कर संस्थान की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली।

बेमौसमी बारिश से फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट भेजने के निर्देश

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर संज्ञान लेकर शुक्रवार देर रात सभी जिला कलेक्टर को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हर परिस्थिति में सहायता के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ तत्पर है। एक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि ''किसानों की पीड़ा हमारी पीड़ा है। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं।

वन जीवन का आधार, प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रस्तुत करता है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन और पर्यावरण संतुलन पर विशेष जोर देते हुए शनिवार को कहा कि वन, जीवन का आधार हैं और प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रस्तुत करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'अरण्य समागम' के तहत 'वन एवं अर्थव्यवस्थाएं' विषयक राष्ट्रीय वानिकी संवाद का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'ग्लोबल कूलिंग' जैसी समस्याएं मानवता के लिए नई चेतावनी हैं।

योगी आदित्यनाथ ने एक कहावत का उल्लेख करते हुए कहा, भारत की ऋषि परंपरा में सदैव कहा गया है कि दस कुओं के समान एक बावड़ी, 10 बावड़ियों के समान एक तालाब, 10 तालाबों के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। मुख्यमंत्री ने वृक्षों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, प्रकृति में वृक्ष की महत्ता सर्वोपरि मानी गई है। यदि वन हैं तो जल है, जल है तो वायु है और यदि वायु है तो जीवन है। जीवन की कल्पना इनके बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 'वन और अर्थव्यवस्था' को मुख्य विषय के रूप में रखा गया है, जो यह संकेत देता है कि वनों के माध्यम से आर्थिक विकास और मानव कल्याण की दिशा में बेहतर ढंग से कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। योगी ने कहा कि भारत की वैदिक परंपरा से लेकर आज तक प्रकृति के साथ संतुलन का संदेश दिया गया है, लेकिन आधुनिक दौर में प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

हर्षोल्लास से मनाई गई ईद, मस्जिदों-ईदगाहों में अमन-चैन की दुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत राज्यभर की ईदगाहों और मस्जिदों में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और नमाज अदा की गई। संभल, कौशांबी, देवरिया और अमेठी समेत विभिन्न जिलों से त्योहार उल्लासपूर्वक मनाया गया।

लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह में मुख्य नमाज हुई, जहां बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अगुवाई में नमाज अदा की गई और देश में अमन-चैन, तरक्की और भाईचारे के लिए दुआ की गई। ऐशबाग ईदगाह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी तथा कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर अमन-चैन की दुआ की। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने भी ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। जानकारों के अनुसार, सुन्नी समुदाय के नमाजियों ने ऐशबाग ईदगाह और टीले वाली मस्जिद (चौक) में नमाज अदा की, जबकि शिया समुदाय के लोगों ने आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) और ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद में नमाज पढ़ी।

संभल जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। 30 दिन के रोजे के बाद शाही जामा मस्जिद और ईदगाह में भारी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा कर देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ मांगी। सपा नेता फिरोज खान ने ईदगाह पहुंचे नमाजियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया और नवरात्र के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं पर भी पुष्पवर्षा कर प्रेम और भाईचारा बढ़ाने की बात कही। सिरसी कस्बे में कुछ लोगों ने ईरान पर अमेरिका के हमले के विरोध में बाहों पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जिले में 765 मस्जिदों और 117 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान वर्क ने सिरसी में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करने के सवाल पर कहा कि शांतिपूर्ण विरोध उनका अधिकार है। कौशांबी जिले में अकीदत के साथ ईद मनाई गई और ईदगाहों में हजारों हाथ अमन-चैन के लिए दुआ में उठे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोवर्धन के दानघाटी मंदिर में की पूजा-अर्चना

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन शनिवार को मथुरा के गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने गिरिराज जी महाराज की आरती में भाग लिया और गोवर्धन परिक्रमा भी की।

उन्होंने मंदिर में गिरिराज जी का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दानघाटी मंदिर के रिसीवर दीप चंद्र कौशिक ने बताया कि गिरिराज धारण की जय सहित अन्य मंत्रोच्चार के बीच राष्ट्रपति ने 11 किलो दूध, दही, शहद, घी और बूरा से महाभिषेक किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति को गिरिराज जी महाराज की चांदी की प्रतिमा, एक पटका और प्रसाद भेंट किया गया।

आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग की ब्रजभूमि से जुड़ी तीन प्रमुख धरोहरेंगिरिराज जी, ब्रजभूमि और यमुना महारानीआज भी विशेष धार्मिक महत्व रखती हैं। राष्ट्रपति ने गोवर्धन पहुंचकर अभिषेक और परिक्रमा कर दानघाटी मंदिर के सेवायत जी.के. पुरोहित से आशीर्वाद प्राप्त किया।

भाजपा बिहार की सत्ता में अपना हिस्सा लेने को तैयार : किशोर ने नीतीश के इस्तीफे पर कहा

पटना/भाषा। जन सुरज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद छोड़ रहे हैं क्योंकि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने पिछले साल विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए 'तैयार किया गया जनादेश' हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब 'अपना हिस्सा पाने' को तत्पर है।

किशोर ने ईद पर यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख कुमार राज्य पर शासन करने के लिए ''शारीरिक और मानसिक रूप से अयोग्य'' हैं। जदयू के पूर्व उपाध्यक्ष किशोर ने कहा, ''मैं यह नहीं कह सकता कि नीतीश कुमार मर्जी से पद छोड़ रहे हैं या दबाव में। लेकिन एक तरह से मेरी बात सही साबित हुई है। विस चुनाव से पहले मेरी जमकर आलोचना हो रही थी जब मैंने भविष्यवाणी की थी कि राजग के जीतने पर भी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।'' किशोर (47)ने कहा, ''राजग की हार की मेरी भविष्यवाणी शायद गलत साबित हुई हो। लेकिन नीतीश कुमार के बारे में, जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्पष्ट रूप से अस्वस्थ हैं, मेरी भविष्यवाणी सही निकली।''

मदर टेरेसा के नाम का अनधिकृत उपयोग अस्वीकार्य है: मिशनरीज ऑफ चैरिटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने विभिन्न गतिविधियों के लिए किन्हीं भी संगठनों और व्यक्तियों द्वारा उसके और मदर टेरेसा के नाम के अनधिकृत उपयोग के खिलाफ चेतावनी दी है। इनका नाम धन जुटाने और प्रचार अभियान में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

यह सलाह ऐसे समय में जारी की गई है जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कुछ संगठन और व्यक्ति बिना अनुमति के धन जुटाने की गतिविधियों के लिए मदर टेरेसा के नाम और छवि का उपयोग कर रहे हैं। अपने संस्थापक द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों पर जोर देते हुए, मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने कहा, मदर टेरेसा ने कभी नहीं चाहा कि उनके नाम या छवि का उपयोग धन जुटाने या चंदा मांगने के उद्देश्यों के लिए किया जाए, यहां तक कि धर्मार्थ कार्यों के लिए भी नहीं, सादगी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और स्वैच्छिक सद्भावना पर निर्भरता को रेखांकित करते हुए। उन्नीस मार्च को जारी बयान में कहा गया, हमें यह जानकारी मिली है कि कुछ संगठन और व्यक्ति हमारी अनुमति के बिना धन जुटाने सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए मदर टेरेसा और मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नाम का उपयोग कर रहे हैं।

मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत उपयोग लोगों के बीच भ्रम पैदा करता है, खासकर जब इसे दान अभियान या धर्मार्थ अपीलों से जोड़ा जाता है।

प्रकृति की रक्षा करने से बड़ी कोई पूजा नहीं: सरहुल पर झारखंड के मुख्यमंत्री का बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को लोगों से प्रकृति की रक्षा करने और मानव जीवन की सुरक्षा करने का आह्वान किया और जोर देकर कहा कि प्रकृति के प्रति श्रद्धा से बढ़कर कोई पूजा नहीं है। रांची के करम टोली स्थित ट्राइबल कॉलेज छात्रावास में आयोजित सरहुल उत्सव को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह त्योहार मनुष्य और प्रकृति के बीच अटूट बंधन का प्रतीक है, जो लोगों को याद दिलाता है कि समस्त जीवन की उत्पत्ति प्रकृति से होती है और अंततः उसी में लौट जाती है।

उन्होंने कहा, अगर प्रकृति का अस्तित्व न होता, तो दुनिया में कोई भी जीवित प्राणी न होता। यह पूरी व्यवस्था प्रकृति द्वारा ही बनाई और कायम रखी गई है, और आदिवासी समुदायों को इस प्राकृतिक व्यवस्था में अटूट विश्वास है। सोरेन, अपनी पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ छात्रावास परिसर में सरहुल अनुष्ठानों में शामिल हुए और समारोहों के दौरान पारंपरिक आदिवासी वाद्य यंत्र मंदार भी बजाया। उन्होंने कहा, हम सभी को प्रकृति से पुनः जुड़ना होगा। जब तक प्रकृति संरक्षित रहेगी, हमारा अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा।

मोदी सरकार का ईरान पर हमलों की निंदा नहीं करना 'नैतिक कायरता' : कांग्रेस

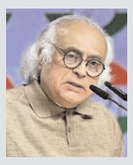

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों और वहां ''सत्ता परिवर्तन कराने की क्रूर कोशिशों'' की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा निंदा नहीं किया जाना भारत के सभ्यतागत मूल्यों की ''नैतिक कायरता'' और ''राजनीतिक विश्वासघात'' को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युद्धविराम कराने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) और इजराइल के प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) के साथ ''अपनी बहुचर्चित मित्रता का भी इस्तेमाल नहीं किया।''

रमेश ने कहा कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू हुए आज ठीक 21 दिन यानी तीन सप्ताह हो चुके हैं और प्रधानमंत्री को अपने बहुचर्चित इजराइल दौरे से लौटे भी 23 दिन हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ''क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए उस भीषण हवाई हमले की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया है, जिसके कारण अब भारत सहित पूरी दुनिया में गंभीर आर्थिक अस्थिरता पैदा हो गई है? जवाब है-नहीं।'' उन्होंने कहा, ''क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के शीर्ष नेताओं को लक्ष्य बनाकर उनकी लगातार हत्या किए जाने की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया? जवाब है- नहीं।'' रमेश ने कहा, ''क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान में शासन परिवर्तन और राज्य को अस्थिर करने की उन क्रूर कोशिशों की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया,जिनकी वजह से ईरान में गृहयुद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है? जवाब है- नहीं।''

उन्होंने कहा, ''क्या मोदी सरकार ने ईरान पर बमबारी और खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों को तुरंत रोकने के लिए कोई गंभीर कूटनीतिक प्रयास और पहल की है? क्या प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति और इजराइल के प्रधानमंत्री के साथ अपनी बहुत प्रचारित दोस्ती का इस्तेमाल युद्धविराम कराने के लिए किया है? जवाब है-नहीं।''

ममता ने मोदी को 'सबसे बड़ा घुसपैठ करने वाला' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के 'मतदान अधिकार छीनने' का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''सबसे बड़ा घुसपैठ'' करने वाला करार दिया।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों को लोकतांत्रिक अधिकारों और बंगाल के बहुल सामाजिक ताने-बाने की रक्षा की लड़ाई करार दिया। ममता ने कहा, ''हम मोदी जी और भाजपा को आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम अंत तक लड़ेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए उन्होंने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक की अदालतों का रुख किया है। उनकी ये टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर के कारण वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, खासकर अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से। उन्होंने कहा, ''जब आप विदेश जाते हैं, तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और मित्रता की बातें करते हैं। यह आपकी पसंद है, और मैं सभी देशों का सम्मान करती हूं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं, तो अचानक हिंदू-मुस्लिम विवाद शुरू हो जाता है, और लोगों को घुसपैठिया कहा जाने लगता है।'' ममता ने मोदी और भाजपा द्वारा सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''आप फिर नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया करार देने की बात करते हैं। मैं कहूंगी कि आप और आपकी सरकार सबसे बड़ी घुसपैठ करने वाले हैं।''

बीजद ने राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' करने के लिए छह विधायकों को निलंबित किया

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) ने ओडिशा की चार राज्यसभा सीट के लिए हाल में हुए चुनाव के दौरान 'क्रॉस वोटिंग' करने के लिए अपने छह विधायकों को निलंबित कर दिया।

पार्टी प्रमुख नवीन पटनायक के एक आदेश के अनुसार, निलंबित विधायकों में बालीगुडा सीट से चक्रमणि कन्हार, जयदेव सीट से नबा किशोर मलिक, चौद्वार-कटक सीट से सौविक विश्वाल, बस्ता से सुबासिनी जेना, तिरतोल से रमाकांत भोई और बांकी से देवी रंजन त्रिपाठी शामिल हैं।

निलंबन का निर्णय बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पटनायक ने की। इन छह विधायकों को 17 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। विधानसभा में बीजद की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार शाम को अपने जवाब प्रस्तुत किए और वे संतोषजनक नहीं पाए गए।

संदिग्ध हालात में गोरक्षक 'फरसा वाले बाबा' की मौत, आक्रोशित भीड़ ने राजमार्ग जाम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शनिवार तड़के हरियाणा बॉर्डर के समीप 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर गोरक्षक बाबा चंद्रशेखर की राजमार्ग पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से आक्रोशित भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना से संबंधित वीडियो में पुलिस को लोगों को हटाने का प्रयास करते हुए देखा जा सकता है जबकि प्रदर्शनकारी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियों पर पथराव करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने इसके बाद दंगाइयों को काबू में करने के लिए पहले हल्का बल प्रयोग किया और फिर आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाबा कोटवन बॉर्डर क्षेत्र में नबीपुर के समीप गोवंश से लदे एक ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे थे कि तभी गौ-तस्करों ने उन्हें कुचल दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि भीड़ में शामिल कुछ असामाजिक लोगों ने माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे। उन्होंने बताया कि बाबा के समर्थक उनका दाह संस्कार करने के लिए ही शव को आजनौख गांव स्थित उनकी गौशाला लाए थे और अब अगर वे पोस्टमॉर्टम कराना चाहेंगे तो अवश्य कराया जाएगा।

कुमार ने फोन पर हुई बातचीत में स्पष्ट किया कि इस मामले में चार-पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही जारी हालांकि इलाके में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने एक बयान जारी कर भ्रम दूर करने का प्रयास किया कि फरसा वाले बाबा शनिवार तड़के चार बजे हरियाणा सीमा थाना क्षेत्र कोसीकलां पर वाहन में गोवंश होने की सूचना पर अपने शिष्यों के साथ नगालैण्ड नंबर के एक कंटेनर को रोककर जांच कर रहे थे। बयान के मुताबिक, उक्त कंटेनर में साबुन, फिनाइल, शैम्पू आदि सामान भरा हुआ था और इसी दौरान घने कोहरे के कारण पीछे से राजस्थान नंबर के एक ट्रक ने कंटेनर को टक्कर मार दी, जिससे बाबा की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में ट्रक चालक घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि लोगों द्वारा भ्रामक सूचना के कारण जाम व पथराव की घटना हुई और लोगों को समझाया जा रहा है।

केकेआर की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी आक्रमण में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा और उनके 'मिस्ट्री' स्पिनरों में 'नवीनता का तत्व' भी फीका पड़ गया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले केकेआर की ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करते हुए अश्विन ने कहा कि भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अब काफी जिम्मेदारी होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''मुझे नहीं लगता कि केकेआर की गेंदबाजी देखकर विरोधी टीम डरेंगी। 'मिस्ट्री फैक्टर', 'नवीनता' और खौफ, ये सब अब खत्म हो चुके हैं। पहले बल्लेबाज विश्लेषक के कमरे में जाकर गेंदबाज के हाथ को देखते थे या फिर एक रन लेने की बात सोचते थे।'' उन्होंने कहा, ''वरुण अपने करियर के ऐसे दौर में हैं जहां उन्हें जवाब ढूंढने होंगे। यह हर क्रिकेटर के विकास का हिस्सा होता है। मुझे लगता है कि नवीनता का तत्व अब खत्म हो गया है।'' अश्विन ने यह भी कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण की प्रभावशीलता भी कम हो गई है। उन्होंने कहा, ''सुनील नारायण अब अपने एक्शन की वजह से अपनी तेज गेंद नहीं डाल सकते। ईडन गार्डन्स छोटा मैदान है इसलिए

विरोधी टीमों के लिए आक्रामक होना आसान हो गया है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि केकेआर के गेंदबाजों के लिए आक्रामक बल्लेबाजी लाइन-अप को रोकना मुश्किल हो सकता है, खासकर छोटे मैदानों पर। उन्होंने यह भी कहा कि चोटों और खिलाड़ियों में बदलाव के कारण गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा, ''नीलामी के बाद मैंने कहा था कि केकेआर की गेंदबाजी मजबूत है। लेकिन अब मुस्तफिजुर रहमान टीम में नहीं हैं। माथिशा पाथिराना चोटिल हैं और हर्षित राणा भी बाहर हो चुके हैं।''

अश्विन ने कहा, ''केकेआर के पास ब्लेसिंग मुजारबानी हैं जिन्होंने मेहनत की है और मैं उन्हें देखने के लिए उत्साहित हूं। लेकिन इतनी चोटों के बीच किसी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी और वो कौन होगा, मुझे नहीं दिखता।''

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप भी केकेआर के पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं।

अश्विन ने श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया जिन्होंने 2024 में केकेआर को तीसरा खिताब जिताया था लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। उन्होंने कहा, ''कोरबो है, लोरबो है, लेकिन जीतबो नहीं है। केकेआर ने तीन बार खिताब जीता, दो बार गौतम गंभीर के नेतृत्व में और एक बार श्रेयस अय्यर की अगुआई में।''

पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा, ''श्रेयस अय्यर की कप्तानी प्रभावशाली रही है। केकेआर का नुकसान पंजाब किंग्स का फायदा बन गया।''

सुविचार

सुंदरता केवल चेहरे में नहीं, चरित्र और व्यवहार में होती है। सादगी ही सबसे बड़ा श्रृंगार है।

ट्वीट

आज तिरुवनंतपुरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में अंत्योदय के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं समाजसेवी व राष्ट्रवादी विचारक श्री पी. परमेश्वरन जी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया।

-भजनलाल शर्मा

हम लोगों ने कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत कार्बन क्रेडिट के लिए कृषकों को धनराशि वितरण का कार्य किया है... उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने इस दिशा में कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है...।

-योगी आदित्यनाथ

कहानी

समुद्र क़तरा समुद्र

रशीद अमज़द

अनुवाद : शम्भु यादव

बस एक झटके से रुकती है। मैं अद्रधनिद्रित स्थिति में इधर-उधर देखता हूँ। लम्बे घेरे की सलवार और खुली बाहों का कुरता पहने,पैरों में फटी-पुरानी जूती डाले अधेड़ उम्र का एक देहाती बस में सवार होता है। कंडक्टर पूछता है-बाबा कहाँ जाना है? तो कुरते की जेब में हाथ डालता दीनता से कहता है-टैकसला जी! मैं घबराकर चारों तरफ देखता हूँ। मेरा अस्तित्व सीट की गिरफ्त से निकलकर फैलने लगता है। सनसनाती हवा लगातार बड़बड़ाती है-टैकसला...टैकसला....टैकसला...! बस तेजी से दौड़ती चली जा रही है। कटे-फटे ज़ख्मी मैदान, बंजर ज़मीन, इक्का-दुक्का पेड़ पीछे छूटते जा रहे हैं।

अब कोई हदबन्दी नहीं, मैं पूरे मैदान पर छा रहा हूँ। दिमाग में लहलहाता जंगल उभर रहा है। कमरे में सूर्य की किरणें चारों ओर फैल चुकी हैं। कलाकार तल्लीन होकर मूर्ति पर झुका हुआ है। उसे समय का भान नहीं। दीपक जगमगाने लगे। अपने काम से आश्वस्त हो, अँगड़ाई लेता वह पीछे हट गया। पत्थर के उस टुकड़े में जीवन जन्म ले चुका था। मूर्ति के चेहरे से असीम मुसकान,खुशी और उल्लास की किरणें बिखर रही थीं। कलाकार प्रफुल्लित होकर कुछ क्षण मूर्ति को देखता रहा, फिर झुककर उसने मूर्ति के चरण छू लिए।

देवदासी कौशल्या दबे-पाँव अन्दर आयी। कुछ क्षण उसे श्रद्धा और सम्मान से देखती रही, फिर झुककर उसने उसे प्रणाम किया। कलाकार ने उसे कन्धे पकडक़र उठाते हुए कहा-''तुम तो देवी हो!'' देवदासी बोली-''तुम महान कलाकार हो! तुमने भगवान को नया जीवन दिया है!...''

कलाकार ने कहा-मैं तो महात्मा की मूर्ति में भी तुम्हें ही तराशता हूँ। तुम्हारा अस्तित्व ही मन्दिर का जीवन है!'' दोनों चुपचाप एक-दूसरे को देखते खड़े रहे। कोमल, मदभरी शाम उनके गिर्द नाचने लगी। शाम को कलाकार मन्दिर में गया, तो पूजा का दूसरा नृत्य शुरू हो चुका था। कोकिलकंठी कौशल्या अपने मधुर स्वर में रस घोलती चारों दिशाओं में आवाज़ दे रही थी :

ऐ आने वालो! आओ!यह धरती तुम्हें पुकारती है! मेरी पवित्र माँ, जो ज्ञान का द्वार है,

अपनी छातियों में सरकते दूध से तुम्हारी रगों में कला का लहू दौड़ाएगी! तुम्हें नया जन्म देगी! इस महान धरती के महान निवासी हर आने वाले का स्वागत करते हैं...! मेरी माँ! मेरी धरती! मैं बड़बड़ाता हूँ। मेरा साथी मुझे विस्मय से देखता हुआ पूछता है-क्या आपकी माँ बीमार है...?'' मैं सिर हिलाता हूँ। मेरा अस्तित्व फिर फैलने लगता है।

हम तीनों नदी के किनारे नरम-नरम घास पर लेट गये। जब दयाशंकर ने पूछा कि इस समय कामिनी कहाँ होगी, तो मदनमोहन ने बाँसुरी नीचे रख दी और उसकी आँखों में बादल घिर आये। मेरी आँखों में भी राधा टिमटिमाने लगी। उसने मेरे सीने से चिपटकर रोते हुए पूछा था-''लौटकर कब आओगे? आखिर क्यों जा रहे हो?'' मैंने कहा था-''ज्ञानार्जन करने। मैं वहाँ से विद्या का, भगवान का नूर लेकर लौटूँगा।''

हमने अपना-अपना बोझ उठाया और चल पड़े। मोहन ने सवाल किया-''हम क्या हैं? मनुष्य क्या है?'' जब दयाशंकर ने कहा कि इस समय जंगल में यह सवाल कितना अजीब लगता है, तो मोहन बोला-''हम इन पेड़ों की तरह एक-दूसरे के पास हैं और अकेले भी। हम कौन हैं, क्या हैं, यह जानने के लिए ही तो हम हजारों कोस की इस यात्रा का कष्ट सहन कर रहे हैं।'' कामिनी कहती थी-''मैं जीवन भर तुम्हारी राह देखूँगी!...पगली कहीं की! भला विद्या के अथाह सागर से भी कभी कोई लौटा है!''

''ऐ ज्ञान के अथाह सागर के खोजियो! हम सब चक्करों में घूम रहे हैं। आत्मा चक्करों की इस यात्रा में पापों से छूटकर अपना कल्याण करती है। इच्छा का अन्त ही जीवन की इस कठिन राह का अन्त है...''

हम चुपचाप विश्वविद्यालय की सीढ़ियाँ उतरने लगे...सायंकाल नगर के निवासी विश्वविद्यालय के बड़े द्वार पर आ जाते और दो-दो, चार-चार विद्यार्थियों को भोजन के लिए अपने साथ नगर में ले जाते। हमने पंडित चन्द्र के छोटे-से घर में प्रवेश किया, तो उनके परिवार के सभी लोगों ने आंगन में आकर हमारा स्वागत किया। पंडितजी की पत्नी ने हमें प्रेम से भोजन कराया। रात में जब हम लौट रहे थे, तो मोहन बोला-तक्षशिला वाले कितने महान हैं...! सवेरे दयाशंकर ने मुझे झिंझोड़कर जगाया-उठो! गुरुदेव प्रकट होने वाले हैं!'' मैं हड़बड़ाकर बाहर निकला। ''मेरे बच्चो! निद्रा मनुष्य के जीवन की मृत्यु है, जो उसे चक्कर में खींच लेती है। मनुष्य निद्रा के झाँसे में आकर ज्ञान के मार्ग से हट जाता है। आत्मा भगवान का सुन्दर रूप है, जो कभी मर नहीं सकता...''

मैं आँखें मलता हूँ। बस तेजी से दौड़ रही है... पाठशाला में गहरी निस्तब्धता छायी है। विद्यार्थी अपनी-अपनी कुटी में हैं। हम तीनों बड़े द्वार की दीवार से सटे खड़े हैं। दो सिपाही आपस में मजाक़ करते हुए निकलते हैं, तो मोहन मुट्ठियाँ भींचकर बड़बड़ाता है-अम्बी कुत्ते...!'' दयाशंकर कहता है-सुना है, चार हजार बैल काटे गये हैं...?'' हम तीनों बाजार की तरफ निकल जाते हैं। दूर-दूर तक लोगों के सिर ही सिर नज़र आते हैं। तम्बुओं के बाहर सिपाही जोर-जोर से बातें करते जाँघें खुजला रहे हैं। दयाशंकर मुँह सिकोड़कर कहता है-कुत्ते...! हम वापस लौटते हैं। पंडित चन्द्र हमें मिलते हैं। वह निराशा से सिर हिलाते हुए कहते हैं-अम्बी देशद्रोही निकला...! उनके साथ देवदासी कौशल्या है। वह दोनों हाथ जोडक़र हमें प्रणाम करती हुई कहती है-सुना है, बड़े दरिया के किनारे पोरस इनकी राह देख रहे हैं।

मोहन भावाभिभूत होकर कहता है-''वह इस धरती का सच्चा सपूत है...!'' हमारे चेहरे खिल उठते हैं। देवदासी दोनों हाथ जोडक़र हवाओं में किसी को सिर झुकाकर कहती है-''हे भगवान! पोरस तेरा बेटा है! इस धरती का सपूत है! हे प्रभु! उसे शक्ति दे!''''सिकन्दर कुत्ते! मैं तुझसे घृणा करता हूँ! मेरा नायक पोरस है!''''जी, क्या फरमाया?-मेरा साथी पूछता है।''''कुछ नहीं! मैं इन्कार में सिर हिलाता हूँ।''मोहन भागता हुआ आता है। कहता है-''तुमने सुना, पोरस के हाथी हमें ले डूबे...!'' मैं सिर हिलाता हूँ-हमारी बुद्धि हमें मार गयी...! दयाशंकर पूछता है-पोरस का क्या हुआ है...?'' मोहन दोनों हाथ फैलाकर कहता है-उसने सिर नहीं झुकाया...!'' शंकर उछलकर खड़ा हो गया-धरती के महान सपूत पोरस, मैं तुम्हारे आगे अपना शीश झुकाता हूँ!'' हमारे सिर झुक जाते हैं। पीड़ा की टीस मेरे सारे बदन में दौड़ जाती है। मेरा झुका हुआ सिर सामने वाली सीट से टकरा जाता है। मेरे चारों ओर चीखों का समुद्र है। धरती काँप रही है। मकान और गलियाँ एक-दूसरे के गले मिल रहे हैं। मेरे अस्तित्व पर लहू के गर्म-गर्म छींटे फैल रहे हैं...

''मुझे बचाओ! मैं डूब रहा हूँ...!'' मेरे कदमों में दम तोड़ता शहर चीख रहा है। मैं पागलों की तरह चारों तरफ दौड़ता हूँ। एक धमाका होता है। बड़े मन्दिर की दीवारें नीचे आ रही हैं। उसके पीछे-पीछे भगवान की मूर्ति है और उससे चिपटी हुई कौशल्या। एक धमाका होता है। मैं आँखें बन्द कर लेता हूँ। चीखें अब सर्द हो रही हैं। लहू की बूँदें जमने लगी हैं। पत्थरों की गडग़ड़ाहट दम तोड़ रही है। मैं चीखता हूँ-ऐ महानगर! तू कहाँ है?' धरती खिलखिलाकर हँसती अपनी बाँहें खोल देती है। सारा शहर मुस्कराता-गुनगुनाता हुआ उसके आगोश में सो रहा है। मैं उसकी ओर लपकता हूँ, तो धरती कहती है-न-न, मेरे बच्चे को आराम करने दो! बहुत थक गया है...!'' और धरती उसे अपने आगोश में लिए गहरी नींद सो जाती है। मैं बड़बड़ाता हूँ-मैं काई बनकर, खून के छींटे बनकर, अनन्त काल तक इन दीवारों से चिपटा रहूँगा! हर आने वाले को तेरी महानता की कहानियाँ सुनाता रहूँगा...! मैंने काल को पराजय दी है। मैं पत्थरों, दीवारों और टीलों पर आज भी मौजूद हूँ।'

मेरे बच्चों! ये खँडहर उस गुनगुनाते नगर के साक्षी हैं, जो कभी विद्या और कला और साहित्य का पालना था।'' प्रोफेसर सलीम की आवाज़ डबडबा गयी। इनायत अल्लाह ने कहा-''मौत कितनी भयानक चीज होती है!''

''हाँ, वह इनसानों की तरह नगरों पर भी नाजिल होती है!''

दीवार की तरल सुगन्ध कितनी प्यारी है! इनायत ने दीवार पर हाथ फेरा। दीवार की ओट में मैले-कुचैले, फटे कपड़े पहने, कम्बल लपेटे कोई व्यक्ति दबे-पाँव हमारे पास आया और बोला-सा'ब, लेगा...?'' मैंने झपट कर उसके हाथ से मूर्ति ले ली। गौतम बुद्ध की एक सुन्दर मूर्ति थी। वह फिर बोला-पाँच रुपये! मेरे पूछने पर कि यह तुम कहाँ से लाये।'' उसने कहा-धरती में से निकला है,सा'ब...!'' इनायत ने मेरे कान में कहा-किसी मन्दिर से चुरा लाया होगा...!'' मैं सिसक पड़ा-''मत बेचो! खुदा के लिए इसे मत बेचो! यह तो तुम्हारे महान अतीत की साक्षी हैं! इसे भी बेच दिया, तो फिर तुम्हारे पास रह ही क्या जाएगा...?''

वह तीन रुपये में ही बेचने को तैयार हो गया, किन्तु इनायत ने उसके हाथ में पाँच का नोट रख दिया। उसकी बाछें खिल गयीं। लम्बा फर्शी सलाम क र वह दीवार की ओट में उतर गया। इनायत ने कहा-''जानते हो, अब यह क्या करेगा? ठर्रे की बोतल और जुआ...!'' उसने उदासी से कन्धे सिकोड़े-एक महान माँ, तेरे बेटों को क्या हो गया! किसी की नज़र खा गयी इन्हें...?'' हम दीवार के साथ टेक लगाकर बैठ गये। इनायत ने दीवार पर हाथ फेरते हुए कहा-लम्बी यात्राओं का कष्ट सहकर लोग यहाँ कितनी दूर-दूर से आते होंगे! शायद हम भी कभी आये हों!''

मैंने उसकी आँखों में झाँका, वहाँ दो दीये टिमटिमा रहे थे-हम सारे तमाशे के गवाह हैं। हम अपनी फना और मौत के गवाह हैं। एक के बाद दूसरा आता है। दूसरे के बाद तीसरा। आख़िरी के बाद फिर एक ही आएगा। है न!

मैंने मूर्ति को दीवार में बने ताक में सजा दिया, फिर कहा-''चलो, चलें।'' कंडक्टर घंटी बजाता है। बस की रफ़्तार सुस्त पड़ जाती है।

''टैक्सला...टैक्सला...!'' कंडक्टर चीखता है, सामनेवाला बूढ़ा तेजी से दरवाजे की ओर लपकता है। मैं खिडक़ी से झाँकता हूँ। हाथों में झाबडिय़ाँ उठाये, छोटे-छोटे बच्चों की भाँति-भाँति की आवाजें-शरबत! केला! सिगरेट...इन बच्चों को स्कूल में होना चाहिए था! आँखें धुएँ की एक लम्बी रेखा पर ठहर जाती हैं।

''यह धुआँ...यह धुआँ...?'' मैं बड़बड़ाता हूँ। ''यह चाइनीज हेवी काम्प्लेक्स है...पाकिस्तान के शानदार भविष्य का साक्षी!'' मेरा साथी बताता है-''शीघ्र ही यहाँ एक रशियन हेवी कॉम्प्लेक्स भी लगने वाला है! अब तो फौलाद कारखाना भी यहीं लगेगा।''

मुझ पर जनून की-सी स्थिति छा जाती है। मैं घूम-घूमकर चारों तरफ देखता हूँ। दूर-दूर तक फैले मैदान बंजर बनकर कैद से रिहा हो रहे हैं। शुष्क पहाडियाँ हरियाली को गले लगा रही हैं।

उसने कहा था, ''हाँ-हाँ, मेरा बच्चा थक गया है! उसे आराम करने दो! वह एक दिन अवश्य जागेगा!''

''हाँ-हाँ, मुझे याद है!'' मैं बड़बड़ाता हूँ! मुझे महसूस होता है, सारे प्रदेश पर धुएँ की चादर तनती चली जा रही है। मैं सूँघता हूँ...धूएँ का कसैलापन...सोंधापन। मैं तो इसके लिए तरस गया था। मैं लम्बी-लम्बी साँसें लेकर उसे नस-नस में भर लेता हूँ मेरी धरती, मेरी माँ का स्पर्श...मेरे अन्दर जीवन की नई उमंग, नई लहर दौड़ उठती है। मुद्दतों का सोया यह महान नगर आँखें मल रहा है। मुझे उसकी साँसों की आवाज़ सुनाई देती है। धरती गहरी-गहरी साँसें ले रही है। मैं खुशी से नाचने लगा हूँ...टैक्सला साँस ले रहा है! और चारों ओर फैली हुई हवा मेरे साथ नाचती हुई मेरे शब्द दुहराती है। टैक्सला साँस ले रहा है!

– 'हिन्दी समय' से साभार

''मुझे बचाओ! मैं डूब रहा हूँ...!'' मेरे कदमों में दम तोड़ता शहर चीख रहा है। मैं पागलों की तरह चारों तरफ दौड़ता हूँ। एक धमाका होता है। बड़े मन्दिर की दीवारें नीचे आ रही हैं। उसके पीछे-पीछे भगवान की मूर्ति है और उससे चिपटी हुई कौशल्या। एक धमाका होता है। मैं आँखें बन्द कर लेता हूँ। चीखें अब सर्द हो रही हैं। लहू की बूँदें जमने लगी हैं। पत्थरों की गडग़ड़ाहट दम तोड़ रही है। मैं चीखता हूँ-ऐ महानगर! तू कहाँ है?' धरती खिलखिलाकर हँसती अपनी बाँहें खोल देती है। सारा शहर मुस्कराता-गुनगुनाता हुआ उसके आगोश में सो रहा है। मैं उसकी ओर लपकता हूँ, तो धरती कहती है-न-न, मेरे बच्चे को आराम करने दो! बहुत थक गया है...!'' और धरती उसे अपने आगोश में लिए गहरी नींद सो जाती है।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

परिवर्तन का संवत्सर

नूतन और पुरातन का अद्भुत संगम है प्रकृति। वह अगाध सम्मान देती है परिपक्वता को तो असीम प्रसन्नता से नवागत को आमंत्रित भी करती है। जो कुछ नया है स्वागत योग्य है। ओस की नयी बूँद हो, बच्चे का जन्म हो या हो नववर्ष, हर तरफ होता है उल्लास, हर तरफ होता है हर्ष।

भारतीय संदर्भ में चर्चा करें तो हिन्दू नववर्ष देश के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय संस्कृति एवं लोकचार के अनुसार मनाया जाता है। महाराष्ट्र तथा अनेक राज्यों में यह पर्व गुढी पाडवा के नाम से प्रचलित है। पाडवा याने प्रतिपदा और गुढी अर्थात ध्वज या ध्वजा। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। सतयुग का आरंभ भी यही दिन माना गया है। स्वाभाविक है कि संवत्सर आरंभ करने के लिए इसी दिन को महत्व मिला। गुढीपाडवा के दिन महाराष्ट्र में ब्रह्मध्वज या गुढी सजाने की प्रथा है। लंबे बांस के एक छोर पर हरा या पीला ज़रीदार वस्त्र बांधा जाता है। इस पर नीम की पत्तियाँ, आम की डाली, चाशनी से बनी आकृतियाँ और लाल पुष्प बांधे जाते हैं। इस पर तांबे या चांदी का कलश रखा जाता है। सूर्योदय की बेला में इस ब्रह्मध्वज को घर के आगे विधिवत पूजन कर स्थापित किया जाता है।

माना जाता है कि इस शुभ दिन वातावरण में विद्यमान प्रजापति तरंगें गुढी के माध्यम से घर में प्रवेश करती हैं। ये तरंगें घर के वातावरण को पवित्र एवं सकारात्मक बनाती हैं। आधुनिक समय में अलग-अलग सिग्नल प्राप्त करने के लिए एंटीना का इस्तेमाल करने वाला समाज इस संकल्पना को बेहतर समझ सकता है। सकारात्मक व नकारात्मक ऊर्जा तरंगों की सिद्ध वैज्ञानिकता इस परंपरा को सहज तार्किक स्वीकृति देती है। प्रार्थना की जाती है, हे सृष्टि के रचयिता, हे सृष्टा आपको नमन। आपकी ध्वजा के माध्यम से वातावरण में प्रवाहित होती सृजनात्मक, सकारात्मक एवं सात्विक तरंगें हम सब तक पहुँचें। इनका शुभ परिणाम पूरी मानवता पर दिखे। सूर्योदय के समय प्रतिष्ठित की गई ध्वजा सूर्यास्त होते- होते उतार ली जाती है।

प्राकृतिक कालगणना के अनुसार चलने के कारण ही भारतीय संस्कृति कालजयी हुई। इसी अमरता ने इसे सनातन संस्कृति का नाम दिया। ब्रह्मध्वज सजाने की प्रथा का भी सीधा संबंध प्रकृति से ही आता है। बांस में काँटे होते हैं, अतः इसे मेरुदंड या रीढ़ की हड्डी के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया गया है। ज़री के हरे-पीले वस्त्र याने साड़ी-चोली, नीम व आम की माला, चाशनी के पदार्थों के गहने, कलश याने मस्तक। निराकार अनंत प्रकृति का साकार स्वरूप में पूजन है गुढी पाडवा।

कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश में भी नववर्ष चैत्र प्रतिपदा को ही मनाया जाता है। इसे 'उगादि' कहा जाता है। केरल में नववर्ष 'विशु उत्सव' के रूप में मनाया जाता है। असम में भारतीय नववर्ष 'बिहाग बिहू' के रूप में मनाया जाता है। बंगाल में भारतीय नववर्ष वैशाख की प्रतिपदा को मनाया जाता है। इससे 'पोहिला बैसाख' यानी प्रथम वैशाख के नाम से जाना जाता है।

तमिलनाडु का 'पुथांडू' हो या नानकशाही पंचांग का 'होला-मोहल्ला' परोक्ष में भारतीय नववर्ष के उत्सव के समान ही मनाये जाते हैं। पंजाब की बैसाखी यानी नववर्ष के उत्साह का सोंधी माटी या खेतों में लहलहाती हरी फसल-सा अपार आनंद। सिंधी समाज में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को 'चेटीचंड' के रूप में मनाने की प्रथा है। कश्मीर में भारतीय नववर्ष 'नवरेह' के रूप में मनाया जाता है। सिक्किम में भारतीय नववर्ष तिब्बती पंचांग के दसवें महीने के 18वें दिन मनाने की परंपरा है।

सृष्टि साक्षी है कि जब कभी, जो कुछ नया आया, पहले से अधिक विकसित एवं कालानुरूप आया। हम बनाये रखें परंपरा नवागत की, नववर्ष की, उत्सव के हर्ष की। साथ ही संकल्प लें अपने को बदलने का, खुद में बेहतर बदलाव का। इन पंक्तियों के लेखक की कविता है-

न राग बदला, न लोभ, न मत्सर,
बदला तो बदला केवल संवत्सर।

परिवर्तन का संवत्सर केवल काग़ज़ों तक सीमित न रहे। हम जीवन में केवल वर्ष ना जोड़ते रहें बल्कि वर्षों में जीवन फूँकना सीखें। मानव मात्र के प्रति प्रेम अभिव्यक्त हो, मानव स्वगत से समष्टिगत हो। सभी पाठकों को शुभ गुढी पाडवा। नव संवत्सर आप सबके लिए शुभ हो।

बोध कथा

हाथी और चतुर खरगोश

एक वन में 'चतुर्दन्त' नाम का महाकाय हाथी रहता था । वह अपने हाथीदल का मुखिया था । बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए । सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं । इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय । बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा----मुझे एक तालाब याद आया है । वह पातालगङ्गा के जल से सदा भरा रहता है । चलो, वहीं चलें । पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे । तालाब में पानी था । दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला । तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे । उन बिलों से जमीन पोली हो गई थी । हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए । बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये । किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया । बहुत से मर भी गये । हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-लुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की । उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दुःख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया । उन्होंने सोचा----आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे । इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा । हाथी का स्पर्श ही इतना भयङ्कर है जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान । इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा----हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए । यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है । एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये । किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा----हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे ।

वीर गाथा

नायक जसबीर सिंह : कुपवाड़ा की अंधेरी रात में बेमिसाल बहादुरी से किया आतंकवादियों का सामना

नायक जसबीर सिंह का जन्म जम्मू में हुआ था। माता महेंद्रो देवी और पिता नायब सूबेदार चरणदास के बेटे जसबीर अपने घर में योद्धाओं की कहानियां सुनते हुए बड़े हुए थे। वे जम्मू-कश्मीर राइफल्स की छठी बटालियन से थे।

जसबीर सिंह को जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक स्थिति, भाषा, संस्कृति आदि की अच्छी जानकारी थी, इसलिए उन्हें एक खुफिया टीम में शामिल किया गया। उनमें इनपुट का विश्लेषण करने की क्षमता गजब की थी।

जसबीर सिंह ने 8 जुलाई, 2022 की देर रात कुपवाड़ा ज़िले में दो आतंकवादियों की हलचल देखी। उन्होंने जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय संयम बरता और दोनों आतंकवादियों को थोड़ा और नजदीक आने दिया।

आतंकवादी जैसे ही नजदीक आए, जसबीर सिंह ने गोलीबारी शुरू कर दी। इससे बुरी तरह घबराए आतंकवादियों ने भी गोलीबारी की। जसबीर सिंह ने बेमिसाल बहादुरी से सामना किया। वे आगे बढ़े और एक आतंकवादी को उसके बिल्कुल नजदीक जाकर ढेर कर दिया।

इसके बाद उन्होंने दूसरे आतंकवादी को निशाने पर लिया। वह जान बचाकर भागना चाहता था, लेकिन जसबीर सिंह ने इसका मौका ही नहीं दिया। उन्होंने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। हालांकि इस दौरान उन्हें भी कई गोलियां लगीं और वे भारत माता के लिए बलिदान हो गए।

नायक जसबीर सिंह ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अपना कर्तव्य निभाया। उनके साहस, शौर्य और बलिदान से देशवासियों को सदैव प्रेरणा मिलेगी। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'अर्जुन बेवकूफ' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय मिश्रा, राजेश तैलंग और डॉली सिंह नई इंडिपेंडेंट फिल्म 'अर्जुन बेवकूफ' में नजर आएंगे। इस नियो-नोयर डार्क कॉमेडी की शूटिंग शुक्रवार से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म इंडी सिनेमा का एक रोचक प्रोजेक्ट है, जो सस्पेंस और डार्क कॉमेडी का अनोखा मिश्रण पेश करेगी। स्मिता सिंह के निर्देशन में बन रही फिल्म के सह-निर्माता आनंद राज हैं। फिल्म 'अंडमान' की टीम को फिर से एकजुट करती है। 'अंडमान' को अपनी कहानी और अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। 'अर्जुन बेवकूफ' में टीम नियो-नोयर जॉनर में कदम रख रही है, जहां सस्पेंस, डार्क ह्यूमर और ट्विस्ट का तालमेल है। जानकारी के अनुसार, यह फिल्म प्रयागराज में ज्यादातर शूट होगी और टीम का मानना है कि यह दर्शकों को एक नया अनुभव देगी।

मेकर्स के अनुसार, इस फिल्म का उद्देश्य एंटरटेन करने के साथ ही भारतीय इंडिपेंडेंट सिनेमा की सीमाओं को चुनौती देना और नई कहानी कहने का तरीका अपनाना है।

फिल्म को 8 पिलर्स मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में संजय मिश्रा, राजेश तैलंग और डॉली सिंह लीड रोल में हैं। ये एक्टर्स फिल्म में अनोखे अंदाज में नजर आएंगे। शूटिंग शुक्रवार सुबह मुख्य कलाकारों और क्रू के साथ शुरू हुई। टीम ने सख्त शेड्यूल बनाया है ताकि फिल्म समय पर पूरी हो सके। निर्माताओं ने बताया कि 'अर्जुन बेवकूफ' इंडी फिल्ममेकिंग की पुरानी सोच को तोड़ने की कोशिश है। यह एक मनोरंजक कहानी है, जिसमें कॉमेडी और सस्पेंस का सही बैलेंस है। संजय मिश्रा अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और अलग-अलग किरदारों के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी फिल्मों में 'आंखों देखी', 'मसान' और 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' जैसी हिट शामिल हैं। वहीं, राजेश तैलंग को 'देव', 'मुक्काबाज' और वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए तारीफ मिली है। डॉली सिंह डिजिटल कंटेंट क्रिएटर के रूप में लोकप्रिय हुईं और फिर 'मॉडर्न लव मुंबई' के साथ ही 'डबल एक्सएल' जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

दर्शन

आईपीएल सीजन शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, टीम के मालिक संजीव गोयनका और अन्य सदस्यों ने अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन किए और जीत के लिए प्रार्थना की।

हिंद महासागर में 'गार्सिया डिएगो' स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला निंदनीयः ब्रिटेन

दुबई/एपी। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलें दागे जाने की निंदा की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने असफल हमले के प्रयास का विवरण नहीं दिया है। यह स्पष्ट नहीं है कि मिसाइलें सैन्य अड्डे के कितने करीब पहुंचीं, जो ईरान से लगभग 2,500 मील दूर है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंधक बनाए रखना, ब्रिटिश हितों एवं ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है। ब्रिटेन ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन उसने अमेरिकी बमवर्षकों को ईरान के मिसाइल स्थलों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है।अमेरिकी बमवर्षक विमान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हमलों को रोकने के अभियानों में डिएगो गार्सिया सहित ब्रिटेन के ठिकानों का भी उपयोग कर सकते हैं।

मैं पश्चिम एशिया या अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्ष में रहा हूं : शशि थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण युद्ध लड़ रहे पक्षों, पड़ोसी देशों और भारत समेत व्यापक क्षेत्र को हो रहा नुकसान सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुका है और इसे अब रोका जाना चाहिए।

शुक्रवार को एक कार्यक्रम के इतर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह हमेशा से इस संघर्ष और अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्षधर रहे हैं।

उनसे तीन सप्ताह से जारी इस संघर्ष में दोनों पक्षों की आक्रामक बयानबाजी पर सवाल पूछा गया था, जिसके खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं।

थरूर ने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है। यह छोटी बात नहीं है, यह भारत सहित दुनियाभर के आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। हमें इस युद्ध को समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए, बल्कि आदर्श रूप से नेतृत्व करना चाहिए। कई देश हमारे साथ जुड़ेंगे। कोई भी इस युद्ध को जारी नहीं देखना चाहता। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष से वे लोग भी प्रभावित हो रहे हैं जिनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री ने कहा, अब समय आ गया है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी स्थिति से पीछे हटें। उन्हें हमारी और अन्य देशों की मदद व प्रोत्साहन की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, अगर आपने ओमान के विदेश मंत्री की अपील देखी हो, तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। मुझे लगता है कि कई देश कह रहे हैं कि हमें इस युद्ध को हर हाल में समाप्त करना होगा। इससे बहुत अधिक नुकसान हो रहा है और यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि इससे किसी को क्या लाभ हो रहा है।

उनसे यह भी पूछा गया कि इस आक्रामक माहौल के बीच क्या तनाव कम करने की इच्छा रखने वाले शांति समर्थकों की जरूरत है।

थरूर ने कहा, मैं स्पष्ट रूप से इस संघर्ष और अधिकांश अन्य संघर्षों में 'शांति समर्थकों' के पक्ष में रहा हूं। युद्ध एक निरर्थक गतिविधि है। मैंने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना अभियानों में कई वर्ष बिताए हैं और मैं कह सकता हूं कि सैनिक ही सबसे आखिरी लोग होते हैं जो युद्ध देखना चाहते हैं। वे जानते हैं कि इसमें कितनी भयावहता, कितनी पीड़ा और कितना वास्तविक नुकसान होता है। कोई भी नहीं चाहता कि युद्ध जारी रहे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब आप उन सैनिकों से बात करते हैं जिन्होंने लड़ाई और हत्या देखी है, तो वे आपको इससे जुड़ी पीड़ा के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा, अपने देश की रक्षा करने के लिए मजबूर होना एक अलग बात है, लेकिन ऐसा युद्ध जारी रखना बिल्कुल अलग बात है, जिसमें हर दिन लोग मर रहे हों, निर्दोष लोग मारे जा रहे हों, स्कूली बच्चे तक मारे जा रहे हों, आखिर किस लिए।

थरूर ने कहा, इस समय हर जगह जो नुकसान हो रहा है चाहे युद्ध लड़ने वाले पक्ष हों, पड़ोसी देश हों या भारत समेत व्यापक क्षेत्र हों, वह सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुका है। इसे रोका जाना चाहिए।

अभिनेता कमल हासन को मिला प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता कमल हासन को तेलंगाना गद्दार फिल्म अवॉर्ड्स में पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन्हें फिल्म उद्योग में उनके आजीवन योगदान और उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया।

कमल हासन इस सम्मान से बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर की। अभिनेता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सम्मान प्राप्त करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, मैं माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और माननीय उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमर्का का दिल से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने तेलंगाना गद्दार फिल्म अवॉर्ड्स को फिर से जीवित किया। साथ ही, मैं सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड स्वीकार करता हूं। अभिनेता ने आगे लिखा कि इस अवॉर्ड को फिर से शुरू करके सरकार ने न सिर्फ एक सम्मान दिया है, बल्कि यह दिखाया है कि ऐसे मंच कलाकारों की हिम्मत, सांस्कृतिक यादों और जनता की आवाज को कितना महत्व देते हैं। अभिनेता ने लिखा, मैं सभी साथी अवॉर्ड विजेताओं और पूरी टीम को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस आयोजन को शानदार तरीके से आयोजित किया। सिनेमा जिंदाबाद।

पैडी जयराज एक प्रसिद्ध अभिनेता और दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड विजेता थे। उनका नाम भारतीय सिनेमा के शुरुआती दौर से जुड़ा है। यह अवॉर्ड उनके सम्मान में दिया जाता है, जो फिल्म उद्योग में लंबे योगदान वाले कलाकारों को मिलता है।

वहीं, कमल हासन ने अपने करियर में कई भाषाओं में काम कर मनोरंजन जगत में योगदान दिया है। अभिनेता भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज निर्देशक, निर्माता, और लेखक हैं, जिनका करियर छह दशक से अधिक का है। उन्होंने बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की और 'अपूर्व रागंगल' (1975) से मुख्य भूमिका में सफलता पाई। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल' के तहत 'हे राम', 'विश्वरूपम' जैसी फिल्में बनाई हैं। अभिनेता ने नायकन (1987), सदमा, और दशावतारम जैसी फिल्मों के लिए मशहूर कमल ने चार राष्ट्रीय पुरस्कार और 19 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं।

'जॉली एलएलबी3' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज

मुंबई/एजेन्सी

सौरभ शुक्ला, अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्ट ड्रामा फिल्म 'जॉली एलएलबी-3' सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब टेलीविजन पर दस्तक देने वाली है। शनिवार को मेकर्स ने इस बात की जानकारी दी। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का क्लिप पोस्ट किया। इसमें अक्षय और अरशद की हल्की फुल्की नोक झोंक देखने को मिल रही है। वीडियो शेयर कर मेकर्स ने लिखा, कोर्टरूम में होगा फुल-ऑन हंगामा, जब दोनों जॉली करेंगे एक दूसरे का सामना। देखिए, 'जॉली एलएलबी3' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर कल रविवार रात 8 बजे स्टार गोल्ड पर प्रसारित होगी। 19 सितंबर 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'जॉली एलएलबी-3' एक हिंदी लीगल-कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे सुभाष कपूर ने निर्देशित किया है। फिल्म में अक्षय और अरशद दोनों के नाम जॉली होते हैं, जिसको लेकर दोनों लड़ते रहते हैं, हालांकि निर्देशक ने फिल्म में न्याय व्यवस्था, कॉरपोरेट लालच और किसानों के संघर्ष को हास्य और कोर्ट रूम ड्रामा के माध्यम से दिखाया है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा) और अरशद वारसी (जॉली त्यागी) दोनों वकील के रूप में आमने-सामने नजर आते हैं, जो किसानों की जमीन के मुद्दे और रियल एस्टेट माफिया के खिलाफ लड़ाई पर आधारित है। यह फिल्म 2011 के भट्टा-पारसौल किसान आंदोलन से प्रेरित है, जिसमें राजस्थान के बीकानेर की पृष्ठभूमि पर एक किसान परिवार की जमीन को हड़पने की कहानी दिखाई गई है। यह 'जॉली एलएलबी' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। 'जॉली एलएलबी 3' में अमृता राव, हुमा कुरैशी और अन्नू कपूर अहम किरदार में होंगे। इसकी कहानी पहले से ज्यादा मजेदार होगी, क्योंकि इस बार फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों ही अपने-अपने 'जॉली' अवतार में दिखाई देंगे।

संगीत संध्या

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपनी ननद रीतिका भवनानी के साथ मुंबई में सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के म्यूजिक शो का आनंद लेती नजर आईं। यह कार्यक्रम शुक्रवार, 20 मार्च की शाम आयोजित हुआ था।

प्राइम वीडियो का बड़ा धमाका :'नागजिला' से लेकर 'सिस्टम' तक, नई सीरीज और फिल्मों की सबसे बड़ी स्लेट का ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

दर्शकों की पसंद के अनुसार डिजिटल मनोरंजन की दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। इस बीच अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल कंटेंट स्लेट पेश कर दी है, जिसमें दर्शकों को एक्शन, थ्रिलर, कॉमेडी, ड्रामा और रियल लाइफ इंस्पायर्ड कहानियां समेत हर तरह का कंटेंट देखने को मिलने वाला है। इस इवेंट में करीब 55 नई सीरीज और फिल्मों की घोषणा की गई, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इस स्लेट में सबसे ज्यादा चर्चा जिस प्रोजेक्ट की हो रही है, वह है 'नागजिला'... यह एक फैंटेसी और कॉमिक अंदाज में बनाई गई कहानी है, जिसमें नागलोक की दुनिया और उससे जुड़े रहस्यों को दिलचस्प तरीके से दिखाया जाएगा। इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसी तरह 'वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' एक अलग तरह की कहानी लेकर आ रही है, जिसमें आधुनिक सोच और पुरानी मान्यताओं के बीच टकराव को दिखाया गया है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा ङ्कङ्कऔर तमन्ना भाटिया जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। यह कहानी एक

ऐसे इंसान की है, जो तर्क पर विश्वास करता है, लेकिन हालात उसे एक रहस्यमयी दुनिया में ले जाते हैं, जहां उसे अपने गांव को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

'लुक्खे' एक स्पोर्ट्स और म्यूजिक के मिश्रण वाली कहानी है, जिसमें एक खिलाड़ी ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश करने के लिए रैप म्यूजिक की दुनिया में उतरता है। वहीं, 'रफू' एक हल्की-फुल्की भावनात्मक कहानी है, जिसमें रिश्तों की जटिलता और प्यार के उलझे हुए रूप को दिखाया गया है।'टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी' एक ऐसे अफसर की कहानी है, जो बड़े सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। वहीं, 'कारनामे बदला गियर पलटी किस्मत' चार दोस्तों की कहानी है जो गलत रास्ते पर चलकर बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। यह कहानी दोस्ती, धोखा और संघर्ष को दर्शाती है।'आदर्श बाल विद्यालय' एक सरकारी स्कूल की कहानी है, जहां एक साधारण प्रिंसिपल और टीचर्स मिलकर सिस्टम को बदलने की कोशिश करते हैं। इसमें केके मेनन जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। वहीं, 'तीन कौवे' एक सस्पेंस और जासूसी से भरी कहानी है, जिसमें एक पूर्व एजेंट अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत साबित करने की कोशिश करता है।'मटका किंग' 1960 के दशक की मुंबई पर आधारित है, जिसमें एक व्यक्ति एक नए जुए के खेल की शुरुआत करता है और धीरे-धीरे यह खेल पूरे शहर में फैल जाता है।

इसमें विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, 'राख' एक क्राइम थ्रिलर है, जो दो बच्चों के गायब होने के बाद शुरू होने वाली जांच पर आधारित है। 'वेलकम टू खोया महल' एक रॉयल फैमिली और उनकी विरासत से जुड़ी कहानी है, जिसमें रहस्य और ड्रामा दोनों देखने को मिलेंगे। 'सिस्टम' एक कोर्टरूम ड्रामा है, जिसमें न्याय और सच्चाई के बीच की जंग को दिखाया जाएगा। इसमें सोनाक्षी सिन्हा नजर आएंगी। इसके अलावा 'मैस' एक अनोखी कहानी है, जिसमें चोर खुद फंस जाते हैं और उन्हें अपनी जान बचानी पड़ती है। वहीं, 'स्ट्रॉम' पांच महिलाओं की कहानी है, जो एक बड़े घोटाले में फंस जाती हैं और अपनी जिंदगी को बचाने के लिए लड़ती हैं।

तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स में रश्मिका का जलवा, राज्य स्तर का सम्मान पाकर हुईं भावुक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के लिए 'तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स' में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अवॉर्ड मिलने की खुशी फैंस के साथ जाहिर की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अवॉर्ड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। कुछ तस्वीरों में रश्मिका की सास, विजय देवरकोंडा की मां, भी नजर आ रही हैं। विजय की मां हाथ में अवॉर्ड लिए हुए हैं, तो रश्मिका उन्हें प्यार से गले लगाए हुए हैं। उनका लुक काफी एलिगेंट लग रहा है। तस्वीरें देख रश्मिका की खुशी साफ झलक रही है। अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, बचपन में जब मैं किसी को राज्य स्तर पर अवॉर्ड जीतते देखती थी, तो उन्हें देखकर सुपरस्टार जैसा लगता था। मैं सोचती थी कि उन्होंने यह सम्मान कैसे हासिल किया होगा और उनका दिन कैसा होता होगा, लेकिन अब राज्य स्तर

का अवॉर्ड मिलने पर वो खुशी का एहसास हो रहा है। मुझे गर्व, खुशी और संतोष तीनों का अनुभव हो रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह साल उनकी जिंदगी के लिए बहुत खूबसूरत शुरुआत है। उन्होंने लिखा, तेलंगाना में इस तरह का सम्मान मिलना इसे और भी खास बना देता है। इस अवॉर्ड के लिए टीजीएफए का दिल से शुक्रिया। साथ ही श्री कला सुधा तेलुगु एसोसिएशन को भी धन्यवाद।

उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर राहुल रविंद्रन का भी विशेष आभार जताया। रश्मिका ने लिखा, राहुल ने 'द गर्लफ्रेंड' को जिस तरह बनाया, वह बहुत खास है। मैं हमेशा कहती हूं कि यह तो बस शुरुआत है। गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स तेलंगाना सरकार द्वारा 2025 में स्थापित वार्षिक तेलुगु फिल्म पुरस्कार हैं, जो प्रसिद्ध लोक गायक और कवि गद्दर को समर्पित हैं। यह अवॉर्ड सेरेमनी 19 मार्च को आयोजित की गई थी। इसमें रश्मिका मंदाना (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री) और नागा चैतन्य (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता) सहित कई अन्य कलाकारों को सम्मानित किया गया। वहीं, फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' साल 2025 में रश्मिका के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। यह फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी दिखाती है, जो एक नियंत्रण करने वाले साथी के साथ रिश्ते में फंस जाती है। फिल्म में रश्मिका और धीक्षित शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दर्शकों ने दोनों के अभिनय को काफी सराहना की थी।

गणगौर उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होसकोटे की राजस्थानी प्रवासी महिलाओं ने शनिवार को श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ गणगौर पर्व मनाया। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा में सजी धजी महिलाओं और युवतियों ने ईशर गणगौर की पूजा की तथा अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सुहागिन महिलाओं ने अपने अखंड सौभाग्य, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की, वहीं कुँवारी कन्याओं ने योग्य वर की प्राप्ति के लिए गणगौर माता की पूजा की। महिलाओं ने समूह बनाकर पारंपरिक गीत गाए, नृत्य प्रस्तुत किए और गणगौर माता की महिमा का गुणगान किया।

अमेरिका ने संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौका पर हमला किया, दो लोगों की मौत

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान के बीच पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौका पर सेना के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी दक्षिणी कमान ने शुक्रवार को 'एक्स' पर बताया कि हमले के तुरंत बाद अमेरिकी तटरक्षक को हमले में जीवित बचे तीन लोगों की तलाश के लिए सक्रिय किया गया है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने एक बयान में कहा कि उसके एक जहाज ने दो शव और एक जीवित व्यक्ति को बरामद कर उन्हें कोस्टा रिका के तटरक्षक बल को सौंप दिया। इस ताजा हमले के साथ सितंबर की शुरुआत से ट्रंप प्रशासन द्वारा मादक पदार्थ आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद नावों पर हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 159 हो गई है। अमेरिकी सेना के अनुसार, यह हमला ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थ तस्करों को निशाना बनाकर किया गया। हालांकि, उसने इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं दिया कि उस नौका पर वास्तव में मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे। जारी किए गए वीडियो में एक नाव को समुद्र में चलते समय आग की लपटों में घिरते हुए दिखाया गया।

आलोचकों ने इन हमलों की समग्र वैधता के साथ-साथ उनकी प्रभावशीलता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अधिक मात्रा में मादक पदार्थ का सेवन करने से होने वाली मौत के पीछे जिम्मेदार फेंटेनाइल आमतौर पर मेक्सिको से जमीन के रास्ते अमेरिका पहुंचाया जाता है।

मुलाकात

मलयालम अभिनेता कृष्णकुमार ने अपनी पत्नी सिंधु कृष्णा और परिवार के सदस्यों के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

शंघाई स्थित वाणिज्य दूतावास में 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' दिखाई गई

बीजिंग/भाषा। चीन के शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के संस्कृति केंद्र में आयोजित एक विशेष स्क्रीनिंग में भारत के राजनयिकों, भारतीय समुदाय के लोगों सहित 100 से अधिक लोगों ने लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' देखी।जोया अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' शुक्रवार को अतिथियों के लिए प्रदर्शित की गई।इस अवसर पर महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने कहा, चीन में भारतीय फिल्में भारत की सांस्कृतिक ताकत का एक सशक्त प्रतीक बनी हुई हैं।

शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि माथुर ने देशों के बीच सेतु निर्माण में भारतीय सिनेमा की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में प्रदर्शित की गई अटूट दोस्ती, रोमांच और जीवन को भरपूर जीने जैसे इसके शाश्वत विषय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। माथुर ने कहा कि यह भारतीय सिनेमा के जादू का एक आदर्श उत्सव है, जो लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देता है और अगली पीढ़ी को हर अवसर को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

तुमकुरू में पहला आईटीएफ महिला डब्ल्यू35 टूर्नामेंट होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के टेनिस में बढते कद को बढावा देने के लिये तुमकुरू में चार से दस मई तक पहला आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर डब्ल्यू35 टूर्नामेंट खेला जायेगा। टूर्नामेंट तुमकुर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित जिला टेनिस स्टेडियम में खेला जायेगा। इससे पहले यहां दो दशक से पूर्व एक आईटीएफ महिला टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इस टूर्नामेंट में उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष पेशेवर 32 खिलाड़ियों के एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगे। तुमकुरू में आखिरी बार 2003 में एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट खेला गया था जिसमें रोहन बोपन्ना और प्रकाश अमृतराज जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

भाजपा ने पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नौ अप्रैल को होने वाले पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने कालापेट से पी एम एल कल्याणसुंदरम और तिरुनल्लार से जी एन एस राजशेखरन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, ए. नमसिवायम को मन्नादीपेट, वी पी रामलिंगम को राजभवन और ए जॉनकुमार को मुदलियारपेट सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है। मानवेली सीट से ए. आर. सेल्वम, नेरावी टी आर पट्टिनम से टी. के. एस. एम. मीनाक्षीसुंदरम और माहे से ए. दिनेशन चुनाव लड़ेंगे। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित ऊसुदु सीट से ई थीप्पैनथन को उम्मीदवार बनाया गया है।

पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एन. आर. कांग्रेस और भाजपा-अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम) गठजोड़ ने विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को शुक्रवार को अंतिम रूप दे दिया था जिसके तहत एआईएनआरसी 16 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेगी और भाजपा शेष 14 सीट पर चुनाव लड़ेगी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री और एआईएनआरसी नेता एन. रंगासामी और भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया की बैठक के बाद इस व्यवस्था पर सहमति बनी। एआईएनआरसी सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने अपने कोटे की 14 सीट में से अन्नाद्रमुक और लक्ष्य जननायगा काची (एलजेके) को दो-दो सीट दी हैं। हालांकि, रंगासामी शुरू से ही यह कहते रहे हैं कि जोस चार्ल्स मार्टिन के नेतृत्व वाली एलजेके को केंद्र शासित प्रदेश में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए ।

गौशाला में लगी आग में डेढ़ करोड़ का चारा जलकर हुआ खाक

संचालक ने बाहरी तत्वों की संलिप्तता की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर बंडे स्थित श्रीकृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला में गत मंगलवार को दिन में लगी आग के कारण गौशाला को भारी नुकसान पहुंचा है। गौशाला का संचालन कर रहे संत पुखराजस्रजी महाराज ने इस घटना के संदर्भ में बुधवार को बागलूरु क्षेत्र के पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें आशंका जताई कि गौशाला में एक सोची समझी साजिश के तहत कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा आग लगाई गई है। ज्ञातव्य है कि इस गौशाला में एक हजार से ज्यादा गायों का पालन-पोषण किया जाता है। पुखराजजी ने इस घटना के बारे में बताते हुए कहा कि मंगलवार को सुबह 11:35 बजे सब कुछ सही था, गौशाला के दैनिक कार्य नियमित रूप से चल रहे थे, परन्तु अचानक लगभग 11.43 बजे सूखे घास से भरे शेड नम्बर 5 में आग लग गई। गौशाला के कार्यकर्ता जब तक शेड में लगी आग को समझ पाते, तभी पास के दूसरे शेड जिसमें करीब 1 करोड़ रुपए का सूखा चारा संग्रहित था, उसमें भी आग लग गई। अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग के समय वे (पुखराज महाराज) गौशाला से बाहर थे, आग की सूचना मिलते हुए वे तुरंत गौशाला पहुंच गए। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में गौभक्त घटना स्थल पर पहुंच गए और अपने अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। दमकल विभाग को सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

पुखराज महाराज ने बताया कि इस भयावह घटना में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का सूखा चारा जलकर खाक हो गया है।उन्होंने कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश हो सकती है। इस घटना में किसी विशेष समूह या बाहरी तत्वों की संलिप्तता हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच की मांग की है। 'दक्षिण भारत' अखबार के प्रतिनिधि ने जब अगले दिन गौशाला का दौरा किया तो पाया कि गौशाला से बड़ी मात्रा में जला हुआ घास ट्रकों के माध्यम से बाहर फेंकने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जाँच कर रही है।

प्रार्थना और कामनाओं में होती है अद्भुत शक्ति : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

केशवापुर में हुई विश्वशांति की सर्वमंगल प्रार्थना सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। स्थानीय केशवापुर स्थित अरिहंत नगर में शुक्रवार को धर्मसभा में आचार्य विमलसागरसूरीजी, गणि पद्मविमल सागरजी, तत्वविमलसागरजी, वीरविमल सागरजी, पुण्यविमलसागरजी और तीर्थविमलसागरजी ने विघ्न निवारक, मंगलकारक महामांगलिक का समवेत स्वर में सामूहिक पाठ कर सभी को नूतन वर्ष का शुभ आशीर्वाद प्रदान किया।आत्मरक्षा विधान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। चारों ओर युद्ध, भय तथा अनिश्चितता के विषम वातावरण को देखते हुए विश्व शांति और उन्नति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। सर्वमंगल की कामना के साथ मौन और ध्यान किया गया। इस मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रार्थना और कामनाओं में बहुत शक्ति होती है। अंतर्मन से की हुई प्रार्थना आराध्य तक अवश्य पहुंचती है और अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। प्रार्थना समग्र ब्रह्मांड में विद्यमान एक ऐसी अद्भुत अलौकिक शक्ति है, जो साक्षात चमत्कारों का सृजन कर सकती है। प्रकृति से मनुष्य जाति को मिला यह वरदान उसकी आशाओं और उम्मीदों की आखिरी किरण होता है। उन्होंने चैत्री नवरात्रि के महत्व, मंत्र साधनाओं के स्वरूप और बीजमंत्रों के रहस्य को रोचक रूप में विस्तार से समझाया। चैत्री नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित महामांगलिक समारोह में बड़ी संख्या में पुरुषवर्ग श्वेत वस्त्रों में और महिलाएं लाल परिधान में सम्मिलित हुए। सभी ने ध्यान अवस्था में शास्त्रीय रागों के साथ चौबीस तीर्थंकरों और नवग्रहों के मंत्रजाप किए।ङ्क

दोपहर में वासक्षेप द्वारा आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद ग्रहण करने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी। इससे पूर्व सुबह ग्लोबल बिजनेस स्कूल से पदयात्रा करते हुए श्रमणजन केशवापुर पहुंचे। महिला श्रद्धालुओं ने चावलों के स्वस्तिक बनाकर, मस्तक पर मंगल कलश धारण कर गुरुजनों का भावपूर्ण स्वागत किया।

शोभायात्रा व सामूहिक उद्यापन के साथ सूर्य मंदिर में मनाया गया गणगौर पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के माध्यम महिला मंडल की अध्यक्ष संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को जेपीनगर स्थित सूर्य मंदिर परिसर में करीब बीस जोड़ों का सामूहिक रूप से गणगौर उद्यापन करवाया गया। सुबह ईशर-गणगौर पूजन हुआ जिसमें विवाहित महिलाओं ने सामूहिक रूप से अपने परिवार की खुशहाली तथा अखंड सौभाग्य की कामना की एवं कन्याओं ने सुयोग्य वर पाने की कामना के साथ उद्यापन किया और सामूहिक रूप से पीपल पूजन भी किया। तत्पश्चात महाआरती में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा की उपस्थिति में सैंकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने मंगलगीत गाते हुए ईशर-गणगौर की प्रतिमाओं साथ शोभायात्रा निकाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रद्धासुमन

बेंगलूरु के दीपांजलिनगर अप्पू अभिमानी संघ एवं जय भुवनेश्वरी कन्नड़ गेलेयारा बळगा के संयुक्त तत्वावधान में दीपांजलिनगर में 'पुनीत नमन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने कर्नाटक रत्न व कन्नड़ अभिनेता पुनीत राजकुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनके योगदान को याद किया। मुणोत ने इस अवसर पर बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। संघ के कुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणगौर उद्यापन

बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन की सदस्याओं ने शनिवार को ओखलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में सामूहिक रूप से गणगौर का उद्यापन किया। गणगौर की पूजा के लिए सभी महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में सजधज कर आई। इस गणगौर उद्यापन में सैंकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

पशुबलि को रुकवाने व शाकाहार प्रचार के लिए 'मातृछाया' कर रही है सहयोग

चिक्कदेवम्मा देवी जात्रा में पशुबलि को रोकने के हुए प्रयास

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मैसूर जिले के सरगूर तालुक स्थित सीडी हिल्स एवं हालुगड्डा क्षेत्र में रविवार तक आयोजित चिक्कदेवम्मा देवी जात्रा महोत्सव में वर्षों से चली आ रही पशुबलि की कुप्रथा पर पूर्ण विराम लगाते हुए हजारों निर्दोष पशुओं की बलि को रोका गया है। युगादि पर्व के अवसर पर जात्रा में विशेष पूजन, हवन, पारंपरिक धार्मिक विधि-विधान तथा शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर देवी के दर्शन किए। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं प्रशासन ने निरंतर निगरानी रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि कहीं भी पशुबलि जैसी कोई घटना न हो। विश्व प्राणी कल्याण मंडल, पशुप्राणी बलि निर्मूलन जागृति महासंघ के अध्यक्ष दयानंदस्वामी के नेतृत्व में चलाए गए 'अहिंसा-प्राणीदया संदेश महाअभियान' के चलते यह सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया। दयानंदस्वामी ने श्रद्धालुओं से कहा कि देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पशुबलि के स्थान पर श्रद्धा एवं भक्ति भावों के साथ नारियल, फल-फूल, हवन एवं सात्विक पूजा को अपनाना ही वास्तविक भक्ति-आराधना है। जात्रा आयोजकों और समिति के पदाधिकारियों ने भी पशुबलि रहित जात्रा के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वामी ने बताया कि उनके निरंतर प्रयास से राज्य के अनेक शहरों में इस कुप्रथा को रोकने के प्रयास के तहत लगभग 2 लाख से अधिक पशुओं को बलि चढ़ने से बचाया जा सका है।ङ्क इस अभियान के गतिमान रखने के लिए मातृछाया जैन महिला संगठन का विशेष योगदान है। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, अध्यक्ष ललिता नागोरी एवं मंत्री रेशमा बड़ोला ने बताया कि संस्था जीवदया के इस कार्य में संस्था ने सहयोग दिया है। महाअभियान में एवं श्रद्धालुओं को मांसाहार की जगह सात्विक शाकाहार भोजन का प्रसाद वितरण करने में स्थानीय लोगों के सहयोग के साथ साथ मातृछाया जैन महिला संगठन, महावीर समदड़िया परिवार, सम्पतराज बागरेचा परिवार, सुनील पटवा परिवार का विशेष सहयोग रहा। मातृछाया की पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन ने चिक्कबल्लापुर जिले में रामसमुद्रा बांध के समीप 'गौ तीर्थ श्री भगवान महावीर जीव रक्षा धाम' में लगभग 4500 वर्ग फीट के विशाल गोशेड का निर्माण भी कराया है एवं पानी की व्यवस्था हेतु टंकी के निर्माण में बड़ा सहयोग किया जा रहा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**